पीआरजीआई से प्रदत्त पंजीयन संख्या–UAHIN/25/A3123

www.parvatprerna.com

सांध्य दैनिक

पर्वत प्रेरणा

निष्पक्ष एवं निर्भीकता के साथ सम्पूर्ण राज्य का एक संस्करण

वर्ष : 2 | अंक : 265 | हल्द्वानी | गुरुवार, 30 अप्रैल 2026 | मूल्य 1.00 रुपये | पृष्ठ: 8

एक नजर

देर रात तक खुले बार-रेस्टोरेंटों पर पुलिस ने मारे छापे

रुड़की। एसएसपी के निर्देश पर देर रात सिविल लाइन कोतवाली पुलिस ने शहर से सटे चार बार और रेस्टोरेंट्स पर छापेमारी कर कार्रवाई की। सिविल लाइन कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रदीप बिष्ट के नेतृत्व में चली इस कार्रवाई में निर्धारित समय के बाद भी प्रतिष्ठान खुले पाए गए और तेज आवाज में डीजे बजता मिला। पुलिस टीम ने हरिद्वार रोड स्थित बेलड़ा के पास रोमियो लेन बार रेस्टोरेंट पर छापा मारकर उसे बंद कराया। इसके अलावा एरोमेटिक रेस्टोरेंट माजरा, एसडीएम चौक के पास सेंटरोज रेस्टोरेंट और आईआईटी रोड स्थित शराब गोदाम के निकट कैफिन कॉफी डे पर भी कार्रवाई की गई। छापेमारी के दौरान कई स्थानों पर तेज ध्वनि में संगीत बजता पाया गया, जिस पर कर्मचारियों को कड़ी फटकार लगाई गई। पुलिस ने मौके से एम्पलीफायर, लैपटॉप, टैब सहित अन्य उपकरण कब्जे में लिए। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रदीप बिष्ट ने बताया कि सभी प्रतिष्ठानों के खिलाफ पुलिस अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है और संचालकों को भविष्य में नियमों का सख्ती से पालन करने की चेतावनी दी गई है।

डाट काली मंदिर के महंत रमन प्रसाद गोस्वामी का निधन

देहरादून। यहां के प्रसिद्ध मां डाट काली मंदिर के महंत रमन प्रसाद गोस्वामी का निधन हो गया है। उनके निधन की खबर के बाद से ही आध्यात्मिक जगत में शोक की लहर है। डाट काली मंदिर के महंत रमन प्रसाद गोस्वामी का निधन जानकारी के अनुसार लंबे समय से महंत रमन प्रसाद गोस्वामी गंभीर बीमारी से जूझ रहे थे। बुधवार शाम को दिल्ली में उपचार के दौरान उनका निधन हो गया। महंत रमन प्रसाद गोस्वामी ने 60 साल की उम्र में आखिरी सांस ली। महंत के निधन की सूचना मिलते ही अनुयायियों और भक्तों में शोक की लहर दौड़ पड़ी है।

धामी कैबिनेट के 18 बड़े फैसले

बसों की खरीद, कुंभ कार्यों को अधिकार, शिक्षा-वन में अहम बदलाव

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में हुई राज्य कैबिनेट बैठक में आज 18 महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर मुहर लगाई गई। बैठक में परिवहन, कुंभ मेला प्रबंधन, शिक्षा, वन, उद्योग और कार्मिक विभाग से जुड़े कई बड़े फैसले लिए गए, जिनका सीधा असर राज्य के विकास और प्रशासनिक व्यवस्था पर पड़ेगा।

कैबिनेट ने परिवहन विभाग को 250 नई बसें खरीदने की मंजूरी दी है। जीएसटी दरों में कमी के चलते पहले प्रस्तावित 100 बसों के बजाय 109 बसें खरीदने का निर्णय लिया गया। साथ ही विभाग में पर्यवेक्षक और सिपाहियों की वर्दी भी तय कर दी गई है। कुंभ मेले की तैयारियों को गति देने के लिए वित्तीय अधिकारों का विकेंद्रीकरण किया गया है। जिसमें 1 करोड़ तक के कार्य मेला अधिकारी, 5 करोड़ तक के कार्य गढ़वाल आयुक्त, इससे अधिक के कार्य शासन स्तर से स्वीकृत होंगे। वन दरोगा की आयु सीमा 21 से 35 वर्ष और वन आरक्षी की आयु सीमा 18 से 25 वर्ष तय की गई है। साथ ही वन क्षेत्र की सीमा पर मधुमक्खी पालन नीति को मंजूरी दी गई है, जिससे स्थानीय आय बढ़ाने और मानव-हाथी संघर्ष कम करने में मदद मिलेगी।

राज्य में मदरसों के लिए नई व्यवस्था लागू की गई है। कक्षा 1 से 8 तक के 452 मदरसों को जिला स्तर से मान्यता, कक्षा 9 से 12 के करीब 52 मदरसों को उत्तराखंड बोर्ड से मान्यता अनिवार्य की गयी।

साथ ही विशेष शिक्षा शिक्षकों के लिए नई नियमावली मंजूर करने, सहायक अध्यापक के 62 पदों की सेवा नियमावली स्वीकृत, उच्च शिक्षा शोध प्रोत्साहन योजना अब 21 अशासकीय कॉलेजों में भी लागू किया गया।

उद्योग विभाग में दर 7 से बढ़ाकर 8 रुपये प्रति कुंतल की गई है। डी श्रेणी के ठेकेदारों के कार्यों की सीमा 1 करोड़ से बढ़ाकर 1.50 करोड़ कर दी गई है। आबकारी नीति में व्यय दर 6 प्रतिशत निर्धारित की गयी थी जिसके अनुरूप वाणिज्य कर विभाग ने अपनी नियमावली संशोधन को मंजूरी दी। कैबिनेट के इन फैसलों को राज्य में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, रोजगार के अवसर बढ़ाने और प्रशासनिक दक्षता सुधारने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है।

मुख्यमंत्री के डोल आश्रम में प्रस्तावित दौरे को लेकर तैयारियों का लिया जायजा

अल्मोड़ा। डोल आश्रम में प्रस्तावित मुख्यमंत्री के भ्रमण कार्यक्रम को लेकर प्रशासन तैयारियों में जुटा है। बैसाख पूर्णिमा 01मई को डोल आश्रम के वार्षिकोत्सव के अवसर पर प्रस्तावित इस कार्यक्रम के मद्देनजर बुधवार को जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने डोल आश्रम पहुंचकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अस्थायी हेलीपैड, आवागमन मार्ग और सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए सभी व्यवस्थाएं समय से सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने निर्देश दिए कि कार्यक्रम से जुड़े सभी स्थलों के लिए अलग-अलग अधिकारियों की तैनाती की जाए और डोल आश्रम प्रबंधन के साथ समन्वय स्थापित कर व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जाए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री के प्रस्तावित भ्रमण को लेकर किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए और सभी निर्देशों का पालन सुनिश्चित किया जाए। इस दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर आर घोड़के, मुख्य विकास अधिकारी रामजी शरण शर्मा, अपर जिलाधिकारी युक्ता मिश्र, उपजिलाधिकारी सदर संजय कुमार, जैंती भनोली की एसडीएम सौम्या गर्ब्याल समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

केदारनाथ धाम पहुंचे गायक कैलाश खेर

पूजा-अर्चना कर लिया बाबा का आशीर्वाद

रुद्रप्रयाग। मशहूर गायक कैलाश खेर आज केदारनाथ धाम पहुंचे हैं। जहां उन्होंने भोले बाबा की विधिवत पूजा -अर्चना कर उनका आशीर्वाद लिया।

मशहूर गायक कैलाश खेर आज केदारनाथ धाम पहुंचे। धाम पहुंचने पर केदारसभा के सदस्यों और मंदिर समिति ने उनका स्वागत किया। कैलाश खेर ने मंदिर समिति में समय व्यतीत कर आध्यात्मिक ऊर्जा को महसूस किया।

साथ ही धाम में मौजूद सुरक्षा कर्मियों से मुलाकात कर उनकी तारीफ की। गायक कैलाश खेर ने धाम में मैजूद तीर्थ पुरोहितों और स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों से मुलाकात कर उनसे यात्रा व्यवस्थाओं की जानकारी ली। केदारनाथ धाम में की गई व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कैलाश खेर ने कहा कि, चुनौतीपूर्ण भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद, यहां की व्यवस्थाएं काफी संतोषजनक हैं।

उन्होंने पुलिस व प्रशासन के समर्पण और सुचारू व्यवस्थाओं की जमकर सराहना की।

वीआईपी दर्शन पर उठे सवाल

कैलाश खेर के केदारनाथ दर्शन के बाद से एक बार फिर वीआईपी दर्शन पर सवाल भी उठने लगे हैं। बता दें उत्तराखंड सरकार ने पहले एक महीने तक केदारनाथ धाम में पीआईपी दर्शन पर रोक लगाई थी। लेकिन केदारनाथ में कैलाश खेर को मिले प्रोटोकॉल ने सरकार के दावों की पोल खोल दी है।

पांच साल बाद बदरीनाथ में मिला लापता बेटा

मां-बाप से मिलन देख भर आईं आंखें

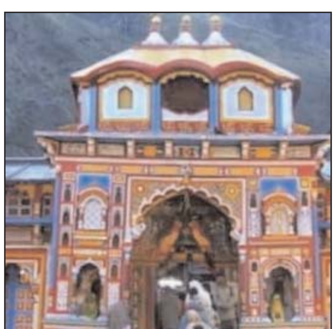

चमोली। उत्तराखंड के पवित्र धाम बद्रीनाथ मंदिर में एक ऐसी भावुक घटना सामने आई, जिसने हर किसी की आंखें नम कर दीं। पांच साल से लापता युवक, जिसे उसका परिवार मृत मान चुका था, अचानक जीवित मिल गया।

जानकारी के अनुसार, पुलिस को सूचना मिली कि माणा गांव के ऊपर बर्फीले और खतरनाक रास्तों की ओर एक विक्षिप्त अवस्था में व्यक्ति जा रहा है। अनहोनी की आशंका को देखते हुए पुलिस टीम तत्काल सक्रिय हुई और उसे सुरक्षित थाने ले आई। युवक अपनी पहचान स्पष्ट रूप से नहीं बता पा रहा था, जिसके बाद पुलिस और अभिसूचना इकाई ने धैर्यपूर्वक व मनोवैज्ञानिक तरीके से उससे बातचीत शुरू की। बातचीत के दौरान राजस्थान शब्द सामने आने पर जांच को दिशा मिली।

लगातार प्रयासों के बाद पुलिस ने युवक के परिजनों का पता राजस्थान में लगाया। जब परिवार को सूचना दी गई कि उनका बेटा जीवित है और बदरीनाथ में सुरक्षित है, तो उन्हें विश्वास करना मुश्किल हो गया, क्योंकि वे उसे वर्षों पहले मृत मान चुके थे।

परिजनों के पहुंचने तक पुलिस ने युवक की पूरी देखभाल की। उसे नहलाया-धुलाया गया, बाल और दाढ़ी कटवाई गई, नए कपड़े दिलाए गए और स्वास्थ्य परीक्षण भी कराया गया। साथ ही, उसे मंदिर में दर्शन भी कराए गए, ताकि वह एक नई शुरुआत कर सके।

जब माता-पिता बदरीनाथ पहुंचे और अपने बेटे को जीवित देखा, तो वे भावुक हो उठे। पांच साल बाद हुए इस मिलन में माता-पिता बेटे को गले लगाकर फूट-फूट कर रो पड़े। यह दृश्य देखकर वहां मौजूद लोग भी अपनी भावनाएं रोक नहीं सके। परिजनों ने बताया कि उनकी आर्थिक स्थिति कमजोर है और वे बेटे को लेने के लिए 5000 उधार लेकर यहां पहुंचे थे। उनके पास वापस लौटने के लिए भी पैसे नहीं बचे थे।

थानाध्यक्ष नवनीत भंडारी ने स्थिति को समझते हुए मानवीय पहल दिखाई। पुलिस टीम ने आपसी सहयोग और ट्रस्ट की मदद से धनराशि जुटाई और परिवार को सौंपी, जिससे वे सुरक्षित अपने घर लौट सके। यह घटना न केवल एक परिवार के लिए किसी चमत्कार से कम नहीं, बल्कि समाज के लिए भी एक प्रेरणादायक उदाहरण है। उत्तराखंड पुलिस की संवेदनशीलता और सेवा भावना ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि इंसानियत आज भी जिंदा है।

सम्पादकीय

भारत-न्यूजीलैंड एफटीए का वैश्विक संदेश

वैश्विक अर्थव्यवस्था आज अस्थिरता के दौर से गुजर रही है। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष, आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान और महाशक्तियों के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा ने व्यापार और निवेश के माहौल को अनिश्चित बना दिया है। ऐसे समय में भारत और न्यूजीलैंड के बीच 27 अप्रैल 2026 को हस्ताक्षरित मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) केवल एक द्विपक्षीय पहल नहीं, बल्कि वैश्विक व्यवस्था के लिए एक सकारात्मक संकेत है। यह समझौता उस समय सामने आया है जब विश्व व्यापार संगठन जैसी बहुपक्षीय संस्थाओं की प्रभावशीलता पर सवाल उठ रहे हैं। वैश्विक व्यापार अब धीमी और जटिल बहुपक्षीय प्रक्रियाओं से हटकर तेज, लचीले और उद्देश्यपरक द्विपक्षीय समझौतों की ओर बढ़ रहा है। भारत-न्यूजीलैंड एफटीए इसी बदलते रुझान का प्रतीक है, जो यह दर्शाता है कि सहयोग के नए प्रारूप ही भविष्य की दिशा तय करेंगे। इस समझौते का सबसे महत्वपूर्ण पहलू इसका संतुलन है। एक ओर न्यूजीलैंड की उन्नत कृषि तकनीक और उच्च उत्पादकता है, तो दूसरी ओर भारत की विशाल कृषि क्षमता और विविध जलवायु। इस साझेदारी से कृषि क्षेत्र में नई संभावनाएँ खुलेंगी, वहीं भारत द्वारा अपने डेयरी और संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करना यह दर्शाता है कि राष्ट्रीय हितों से समझौता किए बिना भी वैश्विक सहयोग संभव है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस समझौते को किसानों, युवाओं और उद्यमियों के लिए अवसरों का द्वार बताया है। यह कथन केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि उस व्यापक दृष्टिकोण को दर्शाता है जिसमें आर्थिक विकास को समावेशी बनाने का प्रयास है। यदि इस समझौते के लाभ वास्तव में जमीनी स्तर तक पहुँचते हैं, तो यह भारत के सामाजिक-आर्थिक ढांचे को मजबूत कर सकता है। रणनीतिक दृष्टि से भी यह समझौता महत्वपूर्ण है। संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ लंबित व्यापार वार्ताओं के बीच भारत का यह कदम स्पष्ट करता है कि वह अब एकध्रुवीय निर्भरता से आगे बढ़कर बहुविकल्पीय आर्थिक संबंधों की नीति अपना रहा है। यह न केवल आर्थिक सुरक्षा को मजबूत करेगा, बल्कि भारत की वैश्विक स्थिति को भी सुदृढ़ करेगा। हालांकि, इस समझौते की सफलता स्वतः सुनिश्चित नहीं है। भारतीय उद्योगों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के अनुरूप स्वयं को तैयार करना होगा। गुणवत्ता, नवाचार और लागत प्रभावशीलता के क्षेत्र में सुधार अनिवार्य होगा। साथ ही, सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि छोटे और मध्यम उद्यम भी इस समझौते का लाभ उठा सकें, अन्यथा इसका प्रभाव सीमित रह जाएगा। फिर भी, व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखें तो यह समझौता आशा का संदेश देता है। यह दिखाता है कि वैश्विक तनाव और प्रतिस्पर्धा के बीच भी सहयोग और साझेदारी की राह खुली है। भारत-न्यूजीलैंड एफटीए केवल व्यापारिक समझौता नहीं, बल्कि यह विश्वास का प्रतीक है कि संवाद और संतुलन के माध्यम से ही स्थायी समृद्धि का मार्ग प्रशस्त किया जा सकता है। आने वाले समय में, जब भारत विश्व की प्रमुख आर्थिक शक्तियों में अपनी जगह मजबूत करने की ओर बढ़ रहा है, ऐसे समझौते उसकी रणनीतिक और आर्थिक दिशा को नई मजबूती देंगे। यह केवल दो देशों के बीच संबंधों को प्रगाढ़ करने का माध्यम नहीं, बल्कि एक ऐसे वैश्विक दृष्टिकोण का संकेत है, जहाँ प्रतिस्पर्धा के साथ सहयोग भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

कोचिंग सेंटरों, होटलों व बोर्डर की हो सघन चैकिंगः मर्तोलिया

यूकेएसएसएससी ने परीक्षाओं के लिए दिए सख्त निर्देश

पिथौरागढ़। उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के अध्यक्ष पूर्व आईपीएस जीएस मर्तोलिया ने आयोग की आगामी प्रतियोगी परीक्षाओं के सफल आयोजन के लिए पुलिस प्रशासन को कोचिंग सेंटरों, होटलों, भोजनालयों और सीमावर्ती क्षेत्रों में सघन चैकिंग और जांच पड़ताल करने के निर्देश दिए। उन्होंने कोचिंग सेंटरों की फैकल्टी के सत्यापन, संदिग्ध आपराधिक तत्वों, हिस्ट्रीशीटरों पर नजर रखने और परीक्षा केंद्रों में परीक्षार्थियों के प्रमाण पत्रों की सघन जांच के निर्देश अधिकारियों को दिए। पुलिस बल की कमी होने पर पी आर डी और होमगार्ड के जवानों को जरूरी प्रशिक्षण देने के बाद ही परीक्षा केंद्रों पर तैनात करने के निर्देश दिए। जी.एस. मर्तोलिया की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में स्नातक स्तरीय परीक्षा के सफल आयोजन को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक में अवगत कराया गया कि स्नातक स्तरीय परीक्षा आगामी 17 मई 2026 को आयोजित की जाएगी। अध्यक्ष ने परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं व्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराने हेतु सभी आवश्यक तैयारियों को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए। अध्यक्ष मर्तोलिया ने बताया कि इस बार परीक्षा के संचालन हेतु नई मानक संचालन प्रक्रिया लागू की गई है तथा आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है, जिससे परीक्षा प्रक्रिया को अधिक सुरक्षित और पारदर्शी बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि परीक्षा के सफल संचालन हेतु जिला प्रशासन, जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षकों के साथ निरंतर समन्वय स्थापित किया जा रहा है। सभी संबंधित विभागों को आपसी तालमेल के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। अध्यक्ष ने बताया कि परीक्षा से पूर्व सभी जनपदों में मॉक ड्रिल आयोजित की जाएगी, जिसमें सेक्टर मजिस्ट्रेट, पर्यवेक्षक एवं अन्य संबंधित अधिकारी अनिवार्य रूप से प्रतिभाग करेंगे। इसके लिए सभी अधिकारियों की समय से उपस्थिति सुनिश्चित करते हुए पूर्वाभ्यास कराया जाएगा।

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर उन्होंने पुलिस विभाग को निर्देश दिए कि परीक्षा से एक सप्ताह पूर्व सभी कोचिंग संस्थानों की गतिविधियों पर सतत निगरानी रखी जाए। किसी भी संदिग्ध गतिविधि पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। अध्यक्ष ने अभ्यर्थियों से संबंधित धोखाधड़ी के मामलों पर चिंता व्यक्त करते हुए जिला प्रशासन को ऐसे मामलों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी आशीष भटगाईं ने कहा कि परीक्षा को पूर्ण पारदर्शिता एवं शुचिता के साथ सम्पन्न कराना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा प्रशासन सभी आवश्यक व्यवस्थाओं के साथ इसे सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने सभी स्टेकहोल्डर्स से आपसी समन्वय स्थापित करते हुए परीक्षा को पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराने की अपील की। बैठक में सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे परीक्षा से जुड़ी व्यवस्थाओं को समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से पूर्ण करें, जिससे अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा परीक्षा शांतिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हो सके। बैठक में अपर जिलाधिकारी योगेंद्र सिंह, उप जिलाधिकारी जितेंद्र वर्मा, मुख्य शिक्षा अधिकारी तरुण पंत सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

दादी के गहने चुराकर नातिनी ने खरीदी कार

पिथौरागढ़। पिथौरागढ़ से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। जिसने रिश्तों को झकझोर के रख दिया। बीसाबजेड़ की एक महिला ने थाना जाजरदेवल में तहरीर देकर बताया कि उनकी अलमारी से सोने के कीमती जेवर मंगलसूत्र, झुमके, नथ व मांग टीका अचानक गायब हो गए हैं। तहरीर के आधार पर थाना जाजरदेवल में धारा 305 बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। शक की सुई महिला की नातिनी पर ही थी। एसओ मनोज पाण्डेय के नेतृत्व में पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर त्वरित कार्यवाही करते हुए उन्हीं की नातिनी अंजलि को सात सिलिंग के पास से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में में जो सच सामने आया उसने सबको हैरान कर दिया। अंजलि ने बताया कि उसने अपने प्रेमी अमित बोरा निवासी श्रीपुर बिछुवा खटीमा के साथ मिलकर चोरी की साजिश रची और चोरी किए गए गहनों को बेचकर एक सेकेंड हैंड अल्टो कार खरीदी। दोनों एक दूसरे को पिछले एक वर्ष से जानते थे। पुलिस ने दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए उक्त कार को भी बरामद कर लिया। मामले में साक्ष्यों के आधार पर धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोत्तरी की गई है। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक सुप्रिया नेगी, उपनिरीक्षक महावीर सिंह, कांस्टेबल होशियार सिंह, कांस्टेबल तनुजा कुमारी और हेड कांस्टेबल जरनैल सिंह शामिल थे।

पंचमुखी श्री हनुमान बालाजी मंदिर में धार्मिक कार्यक्रम आयोजित

जिला संवाददाता पर्वत प्रेरणा

रुद्रपुर। गल्ला मंडी स्थित पंचमुखी श्री हनुमान बालाजी मंदिर में आयोजित भव्य धार्मिक आयोजन ने पूरे क्षेत्र को भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर कर दिया। मंदिर परिसर में सजे दिव्य दरबार की अलौकिक छटा, आकर्षक सजावट और भक्तिमय वातावरण ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। जैसे ही भजनों की मधुर स्वर लहरियां गूंजीं और जय श्रीराम व जय बजरंगबली के जयघोष वातावरण में फैलने लगे, पूरा क्षेत्र भक्ति में डूबता नजर आया।

इस पावन आयोजन में क्षेत्रभर से श्रद्धालुओं का विशाल जनसमूह उमड़ पड़ा। इस अवसर पर भाजपा नेता एडवोकेट प्रमोद मित्तल अपनी धर्मपत्नी एडवोकेट दीपिका मित्तल के साथ मंदिर पहुंचे। उन्होंने विधिपूर्वक पूजा-अर्चना कर बाबा के श्रीचरणों में शीश नवाया और क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति एवं जनकल्याण की कामना की। इसके पश्चात वे श्रद्धालुओं के साथ भक्ति रस में लीन होकर भजनों में सहभागिता करते नजर आए। उनकी उपस्थिति से कार्यक्रम में विशेष ऊर्जा और उत्साह का संचार हुआ तथा वातावरण जयकारों से गूंज उठा।

कार्यक्रम के दौरान विशेष पूजा-अर्चना एवं संगीतमय भजन-कीर्तन का आयोजन विधि-विधानपूर्वक संपन्न हुआ। विद्वान आचार्यों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवान हनुमान जी की आराधना कराई गई। श्रद्धालुओं ने पूर्ण श्रद्धा और विश्वास के साथ इन धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लेते हुए अपने जीवन में सुख, शांति, स्वास्थ्य और समृद्धि की कामना की इस दौरान गुलशन नारंग, गगन वाधवा, सौरव गाबा, मनीष मित्तल एडवोकेट, दीपिका मित्तल, पूजा मित्तल, सर्वेश मौर्य, शिवांश अग्रवाल, अशोक राजपूत, अजय फुटेला, करण फुटेला, मनोज अरोड़ा, अक्ष नारंग, संस्कार भारती रुद्रपुर के निवर्तमान अध्यक्ष कुशल अग्रवाल, डॉ. दीप्ति वर्मा, सात्विक वर्मा, मनीष शर्मा, अनुज छाबड़ा, सूरज सचदेवा, प्रिंस गुप्ता, दिलीप अरोड़ा, सन्नी घई, रजनीश यादव, शिवम देवल, अन्नू वाधवा, अंजू सक्सेना, शिवानी गर्ग, ज्योति गर्ग सहित सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित थे।

आवश्यकता है

हल्द्वानी शहर में तेज तर्रार रिपोर्टर चाहिए, वेतन योग्यतानुसार, इसके साथ ही नैनीताल, खटीमा, सितारगंज, किच्छा, बाजपुर, रामनगर, काशीपुर, देहरादून, हरिद्वार व ऋशिकेष आदि स्थानों पर संवाददाताओं व मार्केटिंग के लिए अनुभवी युवक-युवतियों की शीघ्र आवश्यकता है शीघ्र सम्पर्क करें अथवा अपना बायोडाटा मेल करें।

E-mail. editordaillyparvatprerna@gmail.com

मोबा. 9927213408, 8279487735

आपका सुझाव - हमारी दिशा

प्रिय स्नेही जन

इस कॉलम के माध्यम से आप हमें यह बता सकते हैं कि 'पर्वत प्रेरणा' में आप क्या देखना चाहते हैं। कौन से मुद्दे उठाए जाएं क्या बेहतर हो, हम आपके सुझावों को गंभीरता से लेंगे और आपके नाम के साथ उन्हें प्रकाशित करेंगे।

हमें लिखें, भेजें ।

editordaillyparvatprerna@gmail.com

WhatsApp:9927213408

सम्पादकः सुरेश पाठक

सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एवं स्वामी **सुरेश पाठक** द्वारा भीड़ापानी ओखलकांडा प्रिंटिंग प्रेस भोलानाथ गार्डन हल्द्वानी से मुद्रित तथा साईं कालोनी नियर साईं मन्दिर, बजूनिया हल्दू, पो. कठघरिया, हल्द्वानी नैनीताल, उत्तराखण्ड से प्रकाशित। मो. 9927213408, 8279487735

E-mail. editordaillyparvatprerna@gmail.com

उत्सव के रूप में मनाया महापौर विकास का जन्मदिन

जन्मदिन पर दिखा जनसमर्थन का अभूतपूर्व उत्साह, हजारों लोगों ने महापौर को दी जन्म दिन की बधाई

जिला संवाददाता पर्वत प्रेरणा

रुद्रपुर। नगर के प्रथम नागरिक महापौर विकास शर्मा का जन्मदिन बुधवार को उत्सव के रूप में मनाया गया। सुबह से ही उन्हें शुभकामनाएं देने वालों का तांता लगा रहा, जबकि नगर निगम परिसर दिनभर बधाइयों, सम्मान और जनसहभागिता का केंद्र बना रहा। ढोल-नगाड़ों, गीत-संगीत और उत्सवी माहौल के बीच महापौर को सम्मानित करने और बधाई देने की लोगों में होड़ लगी रही। यह सिलसिला दिन भर लगातार चलता रहा।

जन्मदिन की शुरुआत महापौर ने अपने माता-पिता के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद प्राप्त करने से की। इसके बाद वे परिजनों एवं समर्थकों के साथ नीलकंठ धाम पहुंचे, जहां उन्होंने भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर जनपद की सुख-समृद्धि की कामना की। इसी अवसर पर उन्होंने अपने ड्रीम प्रोजेक्ट 'शिव कॉरिडोर' के निर्माण के लिए वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ भूमिपूजन भी किया। महापौर ने इसे रुद्रपुर की सांस्कृतिक पहचान को सशक्त करने वाला महत्वपूर्ण कदम बताया।नगर निगम कार्यालय पहुंचने पर महापौर का भव्य स्वागत किया गया। ढोल-नगाड़ों की गूंज और गगनभेदी नारों के बीच समर्थकों ने उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। इस अवसर पर आयोजित श्रीरामायण पाठ ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। पाठ की पूर्णाहुति

के बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण कर अपनी सहभागिता दर्ज कराई।

इसके उपरांत नगर निगम सभागार में आयोजित जन्म दिन समारोह में केक काटने और सम्मान समारोह का दौर चला। खचाखच भरे हॉल में गीत और संगीत की महफिल के बीच विभिन्न सामाजिक और व्यापारिक संगठनों ने महापौर को अलग-अलग प्रतीकों के माध्यम से सम्मानित किया। मोबाइल एसोसिएशन ने उन्हें लड्डुओं से तौलकर सम्मान दिया, वहीं ब्राह्मण महासभा ने गदा भेंट की।

अन्य संगठनों ने तलवार ,त्रिशूल ओर देवी देवताओं की प्रतिमायें और धार्मिक प्रतीक भेंट कर उनका अभिनंदन किया। शॉल ओड़ाकर और पुष्पगुच्छ भेंट कर बधाई देने का सिलसिला शाम तक जारी रहा।जन्मदिन के अवसर पर भाजपा महिला मोर्चा, युवा मोर्चा, किसान मोर्चा, ब्राह्मण महासभा, सिख समाज, जाट महासभा, बंगाली समाज, कोली समाज, वाल्मीकि समाज, पंजाबी समाज, कुमाऊनी समाज , बद्री केदार सेवा समिति, श्री अमरनाथ जी सेवा मण्डल, नीलकंठ धाम कमेटी, सफाई कर्मचारी संघ सहित अनेक संगठनों ने महापौर को स्मृति चिन्ह भेंट कर शुभकामनाएं दीं।जन्म दिन पर ऐतिहासिक स्वागत से महापौर विकास शर्मा भावुक नजर आए। उन्होंने बधाई देने और सम्मानित करने आये सभी लोगों से सादगी से मुलाकात की और उनका आभार भी व्यक्त किया। उन्होंने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आज मुझे जो प्रेम और सम्मान मिला है, वह केवल मेरा नहीं बल्कि रुद्रपुर की जनता और मेरे देवतुल्य कार्यकर्ताओं के अटूट विश्वास का परिणाम है। मैं जो कुछ भी हूँ, अपने शुभचिंतकों और समर्थकों की बदौलत हूँ। राजनीति मेरे लिए सत्ता का माध्यम नहीं, बल्कि जनसेवा का एक पवित्र मार्ग है। मेरा संकल्प है कि रुद्रपुर को प्रदेश का सबसे स्वच्छ, सुंदर और सुरक्षित 'स्मार्ट सिटी' बनाया जाए। महापौर ने कहा कि शहर वासियों के बेसुमार प्यार और आशीर्वाद से आज उन्हें आज नई उर्जा मिली है, इस उर्जा को शहर के समग्र विकास में लगायेंगे। महापौर ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के कुशल नेतृत्व और विशेष आशीर्वाद से रुद्रपुर में विकास के नए आयाम स्थापित हो रहे हैं। शिव कॉरिडोर जैसी कई महत्वाकांक्षी योजनाओं पर काम चल रहा है, जो जल्द ही धरातल पर दिखाई देंगी। हमारा लक्ष्य केवल सड़क और नाली बनाना नहीं, बल्कि एक आधुनिक और व्यवस्थित रुद्रपुर का निर्माण करना है। मैं सभी को विश्वास दिलाता हूँ कि विकास की इस यात्रा में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी और शहर एक नए भव्य स्वरूप में नजर आएगा। सोशल मीडिया से लेकर धरातल तक महापौर को बधाई देने वालों का हुजूम उमड़ा रहा। बधाई देने वालों में पूर्व विधायक राजेश शुक्ला, गदरपुर पालिकाध्यक्ष मनोज गुंबर,दर्जा मंत्री उत्तम दत्ता, पूर्व मेयर रामपाल सिंह, वरिष्ठ नेता अजय तिवारी,जसविंदर सिंह खरबंदा भाजपा जिलाध्यक्ष कमल जिंदल, जिला महामंत्री तरुण दत्ता,प्रीत ग्रोवर, घनश्याम श्यामपुरिया,बलवंत अरोरा, पारस चुघ, नगर आयुक्त शिप्रा जोशी पाण्डे, अनिल चौहान, वेद ठुकराल, नरेंद्र अरोरा, गुरमीत सिंह, मानस जायसवाल, हिमांशु शुक्ला, धीरेन्द्र मिश्रा, चिराग कालरा, विपिनजल्होत्रा,शालिनी बोरा, राकेश सिंह, रोशन अरोरा, जेबी सिंह, विवेकदीप सिंह, उपेन्द्र चौधरी, सुनील ठुकराल, विनीत अरोरा, विजय तोमर, राजन राठौर, अजय चड्ढा, सोनू मुल्तानी,रजत बिष्ट, ललित शर्मा, जगदीश लल्ला, मुकेश शर्मा, अनुज पाठक, प्रमोद शर्मा, राजेश शर्मा, रोहित चंद्र, सौरभ गुप्ता, कमल पाल, गिरीश पाल, कुसुम शर्मा, अंकुश गुंबर, तरुण मुंजाल, राजेश कामरा, हिमांशु शुक्ला, शिव कुमार राय, मानवेंद्र राय, स्वाति शर्मा, प्रीति धीर, काजल और राजेंद्र मौर्य समेत सैकड़ों गणमान्य व्यक्ति शामिल रहे।

वरिष्ठ अधिवक्ता के निधन पर शोक सभा न्यायालय परिसर में शोक की लहर

नैनीताल। जिला न्यायालय परिसर में बुधवार को वरिष्ठ अधिवक्ता पुरन सिंह भाकुनी के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया कर अधिवक्ताओं ने शोक सभा आयोजित कर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित दी शोक सभा में उपस्थित अधिवक्ताओं ने भाकुनी के व्यक्तित्व एवं उनके योगदान को याद करते हुए कहा कि उनका निधन विधि जगत के लिए अपूरणीय क्षति है उन्होंने अपने कार्यकाल में न्याय व्यवस्था को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई बार के आजीवन सदस्य एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री व सांसद अजय भट्ट ने उनके निधन पर गहरा दु:ख व्यक्त किया अपने शोक संदेश में उन्होंने कहा कि इस दुखद घड़ी में उनकी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवार के साथ हैं। बार अध्यक्ष अरुण बिष्ट एवं सचिव संजय सुयाल ने शोक व्यक्त करते हुए भाकुनी के योगदान को याद किया करते हुवे इसे अपूर्णीय क्षति बताया शोक सभा के अंत में सभी अधिवक्ताओं ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। शोक सभा में बार एसोसिएशन अध्यक्ष अरुण सिंह बिष्ट सचिव संजय सुयाल वरिष्ठ अधिवक्ता मनीष मोहन जोशी ज्योति प्रकाश बोरा भगवत प्रसाद अखिल साह अशोक मौलखी सोहन तिवाड़ी दीपक रुवाली कैलाश जोशी नवीन कुमार पप्पू आर्या चंद्रकांत बहुगुणा गायत्री सुयाल आदि मौजूद रहे ।

थाना दिवस में कोतवाल ने सुनी समस्याएं

लोगों से संवाद कर बेहतर कानून व्यवस्था हेतु मांगा सहयोग, कोतवाल बोले-क्षेत्र में बेहतर कानून व्यवस्था दिलाना है प्राथमिकता

बागेश्वर। कोतवाली बैजनाथ पुलिस ने डंगोली चौकी में थाना दिवस का आयोजन कर क्षेत्र के लोगों की समस्याएं सुनी। कोतवाल कैलाश नेगी ने सभी लोगों से क्षेत्र में कानून व्यवस्था लागू करने, अराजक तत्वों2पर नकेल कसने, बाहरी लोगों को बिना सत्यापन के किराए में कमरा नही देने, राजस्व क्षेत्र से नियमित पुलिस व्यवस्था में शामिल हुए ग्रामीणों को बेहतर कानून व्यवस्था प्रदान करने, और किसी भी आपात स्थिति में पुलिस द्वारा तत्काल सहायता मुहैया कराने, हेतु लोगों को जागरूक किया।

थाना दिवस के दौरान प्रभारी निरीक्षक कोतवाली बैजनाथ कैलाश सिंह नेगी एवं चौकी प्रभारी डंगोली उप निरीक्षक महेश चंद्र ने उपस्थित ग्रामीणों

से उनकी समस्याओं एवं शिकायतों के संबंध में जानकारी ली। प्रभारी निरीक्षक कैलाश सिंह नेगी ने उपस्थित जनता को नये कानूनों के बारे में जानकारी दी। नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए उन्हें हेल्पलाइन नंबर 1933 और मानस पोर्टल की जानकारी दी।

साइबर सुरक्षा के प्रति सतर्क करते हुए कहा कि अनजान लिंक पर क्लिक न करें और अपना बैंक विवरण साझा न करें, धोखाधड़ी होने पर तत्काल 1930 पर सूचित करें। यातायात सुरक्षा के दृष्टिगत सभी को अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनने, सीटबेल्ट का प्रयोग करने की सख्त हिदायत दी गई। कोतवाल नेगी ने सभी लोगों को वर्तमान में फायर सीजन को देखते हुए वनों को आग से बचाने में सहयोग करने और आग लगाने वाले अराजक तत्वों की सूचना पुलिस हेल्पलाइन 112 पर देने के लिए जागरूक किया। साथ ही कहा कि वन एक अनमोल धरा है,बन जलने से हम सभी को बड़ा नुकसान है साथ ही वन्य जीव जंतुओं के जीवन चक्र को भी कर रहा विनाश है। उन्होंने वनों को आग से बचाने की अपील की।

छत के रोशनदान से घुसा चोर, सीसीटीवी में कैद हुई करतूत

पर्वत प्रेरणा संवाददाता

सितारगंज। क्षेत्र के थारूतिसौर गांव में एक घर को निशाना बनाकर चोर ने फिल्मी अंदाज में चोरी की वारदात को अंजाम दिया। छत पर बने रोशनदान को तोड़कर घर में घुसे चोर ने हजारों रुपये का सामान पार कर दिया।

जानकारी के अनुसार, 28 अप्रैल की रात प्रेमलता निवासी थारूतिसौर के घर में यह वारदात हुई। अज्ञात चोर छत के रास्ते घर में दाखिल हुआ और रोशनदान तोड़कर भीतर पहुंचा। इसके बाद उसने करीब पांच कट्टा चावल और लगभग 11 हजार रुपये मूल्य का सामान चोरी कर लिया।

वारदात के दौरान चोर ने घर में लगे सीसीटीवी कैमरे को भी तोड़ने की कोशिश की, लेकिन उससे पहले ही उसकी पूरी हरकत कैमरे में रिकॉर्ड हो गई।

घटना के बाद पीड़ित पक्ष ने गांव के ही एक युवक पर शक जताया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर संबंधित युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की तलाश की जा रही है और जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा।

इंटर सर्विस क्रिकेट टूर्नामेंट में एसपी 11 बनी विजेता

पिथौरागढ़। 12 कुमाऊं, पिथौरागढ़ के मैदान में आयोजित इंटर सर्विस क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में पिथौरागढ़ पुलिस की एसपी 11 टीम ने जिला प्रशासन की डीएम 11 टीम को 32 रनों से पराजित कर खिताब अपने नाम किया।

फाइनल मुकाबले में एसपी 11 टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 164 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी डीएम 11 टीम 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 133 रन ही बना सकी। टूर्नामेंट में कुल 9 टीमों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए एसपी 11 टीम के खिलाड़ी सुशील को मैन ऑफ द मैच, मैन ऑफ द सीरीज एवं बेस्ट बॉलर चुना गया, जबकि ललित सिंह (12 कुमाऊं) को बेस्ट बल्लेबाज का पुरस्कार प्रदान किया गया। डीएम 11 टीम की कप्तानी सीडीओ डॉ. दीपक सैनी एवं एसपी 11 टीम की कप्तानी आरक्षी महेन्द्र सिंह करायत द्वारा की गई। पुलिस अधीक्षक अक्षय प्रहलाद कोंडे ने विजेता टीम को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के दौरान सेना के उच्चाधिकारीगण, पुलिस अधीक्षक अक्षय प्रहलाद कोंडे एवं सीडीओ डॉ. दीपक सैनी सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

ठेकेदारों की जल जीवन मिशन में किए गए काम के भुगतान की मांग

चंपावत । जिले में जल जीवन मिशन की हर घर जल हर घर नल योजना में काम कर रहे ठेकेदारों ने विभाग पर काम करने के बावजूद उनकी पेमेंट न करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। ठेकेदारों ने आरोप लगाते हुए कहा जल संस्थान व जल निगम के द्वारा जल जीवन मिशन योजना के कार्य उनके द्वारा कराए गए थे पर अभी तक उन लोगों का भुगतान नहीं किया गया है 2 साल से उनकी पेमेंट रोकी गई है। ठेकेदारों ने कहा कर्ज लेकर उन्होंने योजना पर कार्य किया 80 से 90त्न काम पूरा होने के बावजूद विभागों के द्वारा अभी तक उनका भुगतान नहीं किया गया है। जिस कारण उन्हें कई दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है ठेकेदार मानसिक व आर्थिक रूप से काफी परेशान है। विभाग जबरन आपत्ति लगाकर उनका भुगतान रोक रहा है। ठेकेदारों ने शासन प्रशासन से मांग की है उनका भुगतान तत्काल कराया जाए, जल जीवन मिशन की निष्पक्ष जांच हो, दोषी अधिकारियों व संबंधित लोगों पर कार्रवाई की जाए। ठेकेदारों ने कहा जनता उन्हें परेशान कर रही है। मांग करने में भुवन चौबे,विमल मेहता,गिरीश फर्त्याल,अनिल जोशी,विजय किशोर मेहता व अन्य तमाम ठेकेदार शामिल रहे।

शादियों में 'समळौण' की अनोखी पहल:नवदम्पतियों ने रोपे फलदार पौध

पौड़ी/अल्मोड़ा ,अंकित उनियाल। उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का रूप देने वाली 'समळौण' पहल अब सामाजिक परंपराओं से जुड़कर नई मिसाल पेश कर रही है। शादियों जैसे पावन अवसर को यादगार बनाने के साथ-साथ प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी निभाने का यह प्रयास लगातार गति पकड़ रहा है। इसी क्रम में जनपद पौड़ी गढ़वाल और अल्मोड़ा के विभिन्न गांवों में नवदम्पतियों द्वारा फलदार पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। पौड़ी गढ़वाल के विकासखंड पाबो, पट्टी बाली कण्डारस्यू के ग्राम सैंजी में कुंदन सिंह साहू एवं दिव्ना देवी के पुत्र के विवाह उपरांत नवदम्पति भूपेंद्र और मोनिका ने अपने आंगन में संतरे का 'समळौण' पौधा रोपा। इस पौधे के संरक्षण की जिम्मेदारी सुमन देवी ने ली। कार्यक्रम का संचालन समळौण सेना नायिका गीता देवी पोखरियाल ने किया। वहीं अल्मोड़ा जनपद के

विकासखंड स्याल्दे के ग्राम गढ़कोट में राजेसिंह नेगी एवं कमला देवी की पुत्री के विवाह अवसर पर नवदम्पति यश और प्रिया ने संतरे का पौधा रोपित किया। इस अवसर पर समळौण आंदोलन के जिला संयोजक श्याम सिंह गुसाईं ने कहा कि बढ़ती वनाग्नि और घटती हरियाली के बीच यह पहल अत्यंत सार्थक और प्रेरणादायक है। इसी प्रकार पौड़ी गढ़वाल के विकासखंड थलीसैंण के ग्राम धौलाण में केशरी सिंह एवं गुड्डी देवी की पुत्री के विवाह में नवदम्पति प्रमोद और लीला ने मौसमी का पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन समळौण सेना नायिका गुड्डी देवी ने किया। इस दौरान समळौण संस्था के सचिव नरेंद्र सिंह नेगी ने कहा कि पौधारोपण को जीवन के प्रत्येक संस्कार से जोड़ना समय की मांग है। तीनों ही आयोजनों में वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि समळौण पहल न केवल पर्यावरण संरक्षण का सशक्त माध्यम बन रही है, बल्कि समाज में एक नई सकारात्मक परंपरा के रूप में भी स्थापित हो रही है। उन्होंने आमजन से अपील की कि हर खुशी के अवसर पर पौधारोपण करें और वनों को आग से बचाने में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। कार्यक्रमों में ग्रामीणों, परिजनों और मेहमानों की सक्रिय भागीदारी रही। नवदम्पतियों द्वारा इस पुण्य कार्य के लिए समळौण सेना को नगद राशि देकर सम्मानित भी किया गया।

गैस आपूर्ति व्यवस्था पर सख्ती

एजेंसी प्रबंधकों के साथ समीक्षा बैठक

उत्तरकाशी । जनपद में घरेलू गैस आपूर्ति को सुचारु, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने के उद्देश्य से मुख्य विकास अधिकारी जय भारत सिंह ने विभिन्न गैस एजेंसियों के प्रबंधकों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में गैस आपूर्ति की वर्तमान स्थिति, वितरण प्रणाली, बुकिंग से डिलीवरी तक लगने वाले समय और उपभोक्ताओं से प्राप्त शिकायतों की गहन समीक्षा की गई। मुख्य विकास अधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन उपभोक्ताओं की गैस बुकिंग दो माह या उससे अधिक समय से लंबित है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर तत्काल सिलेंडर उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनावश्यक देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही एजेंसी प्रबंधकों को अपने-अपने क्षेत्रों में पर्याप्त गैस स्टॉक बनाए रखने और मांग के अनुरूप समय पर आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में पारदर्शिता पर विशेष जोर देते

हुए कहा गया कि वितरण प्रक्रिया में किसी भी प्रकार का भेदभाव न हो और सभी उपभोक्ताओं को समान रूप से सेवा मिले। वर्चुअल माध्यम से जुड़े पूर्ति निरीक्षकों को नियमित निगरानी, औचक निरीक्षण और शिकायतों के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए गए। इसके अलावा गैस एजेंसी संचालकों को उपभोक्ताओं से बेहतर संवाद बनाए रखने, डिलीवरी की सटीक जानकारी देने और शिकायतों का शीघ्र समाधान करने को कहा गया। मुख्य विकास अधिकारी ने 5 किलोग्राम इंडेन गैस सिलेंडरों की उपलब्धता बढ़ाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि गैस जैसी आवश्यक सेवा में किसी प्रकार की कमी या विलंब स्वीकार्य नहीं है। आपूर्ति व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के लिए संबंधित अधिकारियों और एजेंसी संचालकों को समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में जिला पूर्ति अधिकारी आशीष कुमार, रेणुका उनियाल (प्रबंधक, इंडेन गैस सर्विस ज्ञानसू), सोनपाल सिंह (प्रबंधक, विश्वनाथ गैस सर्विस एचपी डुंडा), कुलभूषण सिंह (प्रबंधक, गंगोत्री गैस सर्विस भारत) सहित विभिन्न पूर्ति निरीक्षक उपस्थित रहे।

स्कूलों से गायब रहने, शराब पीकर आने व धन गबन के आरोप में शिक्षक निलंबित

उत्तरकाशी। जिले में शिक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। जिलाधिकारी के निर्देशों के अनुपालन में विकासखंड मोरी के सुदूर क्षेत्रों में जनसुनवाई और विद्यालयों के औचक निरीक्षण के दौरान कई गंभीर अनियमितताएं सामने आईं, जिसके बाद कार्रवाई की गई। निरीक्षण में राजकीय प्राथमिक विद्यालय दौणी (मोरी) में तैनात प्रभारी प्रधानाध्यापक संतोष कुमार बिना सूचना के अनुपस्थित पाए गए, जबकि राजकीय प्राथमिक विद्यालय सट्टा (गोदी) में कार्यरत प्रभारी प्रधानाध्यापक हरिचन्द्र जनसुनवाई में भी उपस्थित नहीं हुए। जांच में यह भी सामने आया कि दोनों विद्यालयों को समग्र शिक्षा अभियान के तहत जारी धनराशि का धरातल पर कोई कार्य नहीं हुआ। प्रथम दृष्टया धन के गबन के संकेत मिलने पर दोनों शिक्षकों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। इसी क्रम में राजकीय प्राथमिक विद्यालय ठडियार में कार्यरत

शिक्षामित्र संजय कुमार विद्यालय समय में अवकाश प्रार्थना पत्र देकर चले गए, जिस पर उनसे स्पष्टीकरण मांगा गया है। वहीं, राजकीय इंटर कॉलेज दौणी (मोरी) में औचक निरीक्षण के दौरान सहायक अध्यापक (एलटी) जय सिंह कठैत अनुपस्थित मिले। जनप्रतिनिधियों और विद्यालय प्रशासन ने बताया कि एक दिन पूर्व उनका शराब के नशे में वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। मामले को गंभीरता से लेते हुए उनके निलंबन की संस्तुति उच्चाधिकारियों को भेजी गई, जिस पर कार्रवाई करते हुए उन्हें भी तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। इसके अलावा विकासखंड भटवाड़ी कार्यालय में कार्यरत परिचारक पंकज कुमार की लगातार अनुपस्थिति की शिकायत मिलने पर उनके खिलाफ भी विभागीय कार्रवाई शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बिना स्वीकृत अवकाश के अनुपस्थित रहने, कर्तव्यों में लापरवाही या वित्तीय अनियमितता पाए जाने पर संबंधित कार्मिकों के खिलाफ निलंबन, अनिवार्य सेवानिवृत्ति या सेवा समाप्ति जैसी कठोर कार्रवाई की जाएगी। मई माह में सभी विद्यालयों और कार्यालयों के लगातार औचक निरीक्षण किए जाएंगे, ताकि शिक्षा व्यवस्था को पटरी पर लाया जा सके।

चारधाम यात्रा-2026:सीओ ने बड़कोट कोतवाली का औचक निरीक्षण

उत्तरकाशी। आगामी चारधाम यात्रा-2026 के पीक सीजन को देखते हुए सुरक्षा और व्यवस्थाओं को मजबूत बनाने के उद्देश्य से पुलिस उपाधीक्षक (सीओ) बड़कोट चंचल शर्मा ने कोतवाली बड़कोट का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सीओ ने थाना कार्यालय, मालखाना, सीसीटीएनएस कक्ष, महिला हेल्प डेस्क और कर्मचारी भोजनालय का गहन जायजा लिया। उन्होंने संबंधित कर्मचारियों को निर्देशित किया कि सभी अभिलेख एवं सूचनाएं अद्यतन रखी जाएं, ताकि किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित हो सके। चारधाम यात्रा के मद्देनजर सीओ ने विशेष रूप से निर्देश दिए कि थाने में आने वाले श्रद्धालुओं और आगंतुकों के साथ शालीन एवं सहयोगपूर्ण व्यवहार किया जाए तथा उनकी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाए। उन्होंने कहा कि यात्रा को सरल, सुरक्षित और सुगम बनाना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। बीट पुलिस कर्मियों को अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित गश्त करने, आपसी विवाद, झगड़े या संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। साथ ही आपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्तियों पर कड़ी निगरानी रखते हुए कानून-व्यवस्था बनाए रखने पर जोर दिया गया। सीओ ने चारधाम यात्रा-2026 के दौरान सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए थाना क्षेत्र में बाहरी व्यक्तियों का शत-प्रतिशत सत्यापन सुनिश्चित करने और बड़कोट क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के निर्देश भी दिए।

चारधाम यात्रा में स्वच्छता पर सख्ती

उत्तरकाशी। उत्तराखंड की प्रसिद्ध चारधाम यात्रा इन दिनों अपने चरम पर है। लाखों की संख्या में देश-विदेश से श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। यात्रियों की सुरक्षा और सुविधाओं के साथ-साथ अब यात्रा मार्गों पर स्वच्छता बनाए रखने को लेकर प्रशासन ने सख्ती बढ़ा दी है। यात्रा के दौरान अक्सर श्रद्धालुओं द्वारा सड़क किनारे पानी की बोतलें, चिप्स, बिस्किट और अन्य खाद्य पदार्थों के रैपर फेंके जाने की शिकायतें मिल रही थीं। इससे न केवल पर्यावरण प्रभावित हो रहा है, बल्कि यात्रा मार्ग की पवित्रता और सुंदरता भी खराब हो रही है। इस पर संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी ने नगर निकायों और जिला पंचायत को नियमित सफाई अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं।

साथ ही 'जीरो वेस्ट अभियान' को प्रभावी ढंग से लागू करने पर जोर दिया गया है। प्रशासन ने यात्रा मार्ग और प्रमुख पड़ावों पर तैनात सेक्टर मजिस्ट्रेटों को अपने-अपने क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था की सतत निगरानी करने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों को यह भी सुनिश्चित करने को कहा गया है कि कहीं भी कूड़ा-करकट एकत्र न होने पाए। प्रशासन का कहना है कि तीर्थयात्रियों को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। इसके लिए जन-जागरूकता अभियान भी चलाए जा रहे हैं, ताकि श्रद्धालु स्वयं भी स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें।

एक ही मंडप में पांच भाइयों की शादी, दुल्हनों ने निकाली बारात

चकराता (उत्तराखंड)। क्षेत्र के खरासी गांव में आयोजित एक अनोखा विवाह समारोह इन दिनों पूरे इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है। यहां एक ही परिवार के पांच सगे भाइयों का विवाह एक साथ, एक ही दिन और एक ही मंडप में संपन्न हुआ। इस विशेष आयोजन ने न केवल ग्रामीणों बल्कि आसपास के क्षेत्रों के लोगों का भी ध्यान आकर्षित किया। परिवार के पांचों भाई—नरेंद्र, प्रदीप, प्रीतम, अमित और राहुल—का विवाह पारंपरिक के अनुसार संपन्न हुआ। इस परंपरा की सबसे खास बात यह रही कि पांचों दुल्हनें स्वयं बारात लेकर दूल्हों के घर पहुंचीं, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्रित हुए। नरेंद्र का विवाह हय्यो निवासी अन्नु, प्रदीप का जोगियो निवासी निक्की, प्रीतम का हय्यो निवासी पुनीता, अमित का गोरछा निवासी निर्मला तथा राहुल का जोगियों निवासी आंचल के साथ हुआ। इसके अलावा परिवार की बेटी प्रियंका का विवाह भी गुरुवार को मरलऊ निवासी रणवीर सिंह के साथ निर्धारित है। इस अवसर पर पूरे गांव में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। संयुक्त परिवार द्वारा किए गए भव्य आयोजन में पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ हर्षोल्लास का वातावरण बना रहा। ग्रामीणों ने इसे सामाजिक एकता, परंपरा और आपसी सामंजस्य का प्रतीक बताया। विवाह समारोह में कई गणमान्य व्यक्ति भी शामिल हुए। सभी ने इस अनोखे आयोजन की सराहना करते हुए इसे क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का उत्कृष्ट उदाहरण बताया।

वनाग्नि रोकने के लिए वनों को आजीविका से जोड़ना होगा :डॉ. किशोर पंत

पिथौरागढ़। जब ग्रामीणों को यह महसूस होगा कि जंगल जलने से उनकी आय समाप्त हो जाएगी, तब वह स्वयं जंगल बचाने के लिए आगे आएंगे। वनों से ग्रामीणों को प्रत्यक्ष लाभ मिलने पर ही ग्रामीण वनों का संरक्षण करेंगे। यह बताते हुए सामाजिक चिंतक और अभिलाषा समिति के निदेशक डॉ. किशोर कुमार पंत कहते हैं कि हिमालय केवल पहाड़ों की भौगोलिक श्रृंखला नहीं है, यह भारत की जल सुरक्षा, जलवायु संतुलन, जैव विविधता और सांस्कृतिक अस्तित्व का जीवंत आधार है। देश की प्रमुख नदियाँ इसी हिमालय से निकलती हैं और करोड़ों लोगों की आजीविका, खेती और जीवन इससे जुड़ा हुआ है। परंतु विडंबना यह है कि हर वर्ष गर्मियों के आते ही यही हिमालय आग की लपटों में घिर जाता है। जंगलों से उठता धुआं केवल पेड़ों को नहीं जलाता, बल्कि वह भविष्य की संभावनाओं, पर्यावरणीय संतुलन और सामूहिक जिम्मेदारी की भावना को भी झुलसा देता है। हर साल वही प्रश्न फिर सामने खड़ा हो जाता है कि ये आग आखिर कब बुझेगी ? और इससे भी बड़ा प्रश्न यह है कि जब समस्या का कारण समाज है, तो जिम्मेदारी केवल विभाग की क्यों मानी जाए ? वन विभाग निश्चित रूप से वन संरक्षण का प्रमुख संस्थान है। उसके पास कानून है, तकनीकी संसाधन हैं और प्रशासनिक ढांचा भी है। लेकिन हिमालयी क्षेत्रों में फैले विशाल जंगलों की निगरानी केवल सरकारी तंत्र के भरोसे संभव नहीं। जंगल केवल सरकारी संपत्ति नहीं हैं, वे जन संपत्ति हैं। उनका अस्तित्व समाज के जीवन से जुड़ा है, इसलिए उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी भी सामूहिक होनी चाहिए। वनाग्नि की घटनाओं का अध्ययन बताता है कि अधिकांश आग मानवजनित होती है। यानी यह कोई प्राकृतिक आपदा नहीं, बल्कि मानवीय लापरवाही और उदासीनता का परिणाम है। कहीं बीड़ी या सिगरेट की चिंगारी से आग लगती है, कहीं माचिस की बुझी न हुई तीली से, कहीं पिकनिक के बाद छोड़े गए अलाव से, तो कहीं हरी घास उगाने के लालच में जानबूझकर जंगलों में आग लगा दी जाती है। जब आग हमारे ही हाथों से लगती है, तो उसका समाधान भी सामूहिक जिम्मेदारी से ही संभव है। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि आम जन वनाग्नि के प्रति इतना उदासीन क्यों है। इसका उत्तर समाज के बदलते संबंधों में छिपा है। कभी पहाड़ों में जंगल जीवन का हिस्सा हुआ करते थे। ईंधन, चारा, जल और औषधि सब जंगल से मिलते थे। जंगलों से सीधा रिश्ता था, इसलिए संरक्षण की भावना भी थी। लेकिन आधुनिक जीवन शैली ने जंगल और समाज के बीच मानसिक दूरी पैदा कर दी। आज जंगलों को लोग अपनी विरासत नहीं, बल्कि सरकार की संपत्ति समझने लगे हैं। जब किसी संसाधन से प्रत्यक्ष लाभ नहीं मिलता, तो उसके संरक्षण की भावना भी कमजोर हो जाती है। जंगल यदि केवल प्रतिबंधों और नियमों का प्रतीक बन जाए, तो समाज उसमें अपना हित नहीं देख पाता। यही कारण है कि वनाग्नि का वास्तविक प्रभाव भी लोग पूरी तरह समझ नहीं पाते। जंगल जलने का असर केवल पेड़ों तक सीमित नहीं रहता। इसका असर बारिश पर पड़ता है, जल स्रोत सूखते हैं, खेती प्रभावित होती है, तापमान बढ़ता है और भूस्खलन की घटनाएँ बढ़ जाती हैं। फिर भी वनाग्नि को अक्सर स्थानीय घटना समझकर नजरअंदाज कर दिया जाता है, जबकि यह जलवायु संकट का गंभीर संकेत है। जागरूकता के लिए पोस्टर, बैनर और नुक्कड़ नाटक जैसे अभियान चलाए जाते हैं, पर उनका प्रभाव सीमित दिखाई देता है। इसका कारण यह है कि ये अभियान अक्सर मौसमी होते हैं, निरंतर नहीं। इनमें समुदाय की प्रत्यक्ष भागीदारी कम होती है और सबसे बड़ी कमी यह है कि जागरूकता को आजीविका से नहीं जोड़ा गया। जब तक जागरूकता व्यक्ति के हित से नहीं जुड़ती, तब तक वह व्यवहार परिवर्तन में परिवर्तित नहीं होती। वनाग्नि के खिलाफ कठोर कानूनों और दंड की मांग भी उठती रही है। यह मांग उचित है क्योंकि जो व्यक्ति जंगल में आग लगाता है, वह केवल पेड़ नहीं जलाता, बल्कि जल स्रोत, पशुधन, कृषि और जैव विविधता को भी नष्ट करता है। कठोर कानून भय पैदा कर सकते हैं, लापरवाही कम कर सकते हैं और जानबूझकर आग लगाने वालों को रोक सकते हैं। लेकिन कानून अकेले व्यवहार परिवर्तन नहीं कर सकता। व्यवहार तब बदलता है जब व्यक्ति का हित उससे जुड़ता है और उसे जिम्मेदारी का एहसास होता है। पर्यटन के बढ़ने के साथ एक नई चुनौती सामने आई है। सड़कों के विस्तार और वाहनों की बढ़ती संख्या के साथ लापरवाही भी बढ़ी है।

डॉ. किशोर पंत कहते हैं कि चलती गाड़ी से फेंकी गई एक चिंगारी सूखी चीड़ की पत्तियों पर गिरते ही कुछ ही मिनटों में जंगल को आग के हवाले कर देती है। यह केवल अपराध नहीं, बल्कि अज्ञान व असंवेदनशीलता का परिणाम है। ऐसी घटनाएँ तब रुकेंगी जब निगरानी मजबूत होगी, दंड कठोर होगा और समाज स्वयं इसका विरोध करेगा। वनाग्नि रोकथाम का सबसे प्रभावी उपाय है, जंगलों को आजीविका से जोड़ना। दुनिया के सफल संरक्षण मॉडल बताते हैं कि जहाँ जंगल लोगों की आय का स्रोत बने, वहाँ उनका संरक्षण स्वत: सुनिश्चित हो गया। हिमालय औषधीय पौधों का खजाना है। यदि जड़ी-बूटी आधारित अर्थव्यवस्था विकसित की जाए, सामुदायिक खेती को बढ़ावा दिया जाए और स्थानीय प्रसंस्करण इकाइयाँ स्थापित हों, तो जंगल आर्थिक पूंजी बन सकते हैं। जब जंगल आय का स्रोत बनेंगे, तब उनका संरक्षण स्वाभाविक रूप से होगा। वनाग्नि का एक बड़ा कारण हरी घास उगाने के लिए लगाई गई आग भी है। यदि गांवों के पास चारा प्लांटेशन, फोडर बैंक और चारा नर्सरी विकसित कर दी जाएँ, तो जंगल में आग लगाने की आवश्यकता ही समाप्त हो जाएगी। यह समाधान सरल, व्यावहारिक और प्रभावी है। मधुमक्खी पालन भी वन संरक्षण का महत्वपूर्ण माध्यम बन सकता है। मधुमक्खियाँ फूलों पर निर्भर हैं और फूल जंगलों पर। जहाँ मधुमक्खी पालन होगा, वहाँ लोग जंगल जलने नहीं देंगे क्योंकि जंगल का विनाश उनकी आय का विनाश होगा। यही भागीदारी आधारित संरक्षण का वास्तविक मॉडल है। यदि हर गांव में सामुदायिक नर्सरी, वन मित्र दल और युवा फायर वॉच टीम बनाई जाए, तो वनाग्नि की घटनाएँ काफी हद तक कम हो सकती हैं। यह केवल योजना नहीं, बल्कि जन आंदोलन का रूप ले सकता है। अब समय आ गया है कि वनाग्नि रोकथाम का नया सूत्र अपनाया जाए, जागरूकता, कठोर कानून, आजीविका और सामुदायिक भागीदारी का समन्वय। इन चारों में से एक भी घटक कमजोर हुआ, तो आग फिर भड़क उठेगी। वनाग्नि केवल पर्यावरण की समस्या नहीं है; यह अस्तित्व का प्रश्न है। यह पानी, खेती, जलवायु और आने वाली पीढ़ियों का प्रश्न है। यदि हिमालय जलता रहा, तो मैदान भी सुरक्षित नहीं रहेंगे। अब यह स्वीकार करने का समय है कि वन संरक्षण कोई सरकारी परियोजना नहीं, बल्कि राष्ट्रीय जिम्मेदारी है। हर नागरिक को यह संकल्प लेना होगा कि वह जंगल में आग नहीं लगाएगा, आग लगाने वालों को रोकेगा और वन संरक्षण में सक्रिय भागीदारी करेगा। यह आग तब बुझेगी जब सरकार, समाज और गांव मिलकर इसे बुझाने का संकल्प लेंगे। जब जंगल सरकारी जमीन नहीं, बल्कि हमारी साझा विरासत बनेंगे। जब हिमालय को बचाना एक योजना नहीं, बल्कि जन आंदोलन बन जाएगा। तब सच में कहा जा सकेगा कि हिमालय जल नहीं रहा, हिमालय बच रहा है।

खेला होवे... मोदी जीतेंगे या दीदी भारी

राजनीति की उर्वर धरा पश्चिम बंगाल में खेला होवे की गूँज न सुनाई दे, तब तक चुनावी उत्सव अधूरा सा प्रतीत होता है। 2026 के विधानसभा चुनाव भारतीय लोकतांत्रिक इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण कालखंडों में से एक के रूप में दर्ज हो चुके हैं। यह चुनाव केवल संख्या बल की लड़ाई नहीं थी, बल्कि यह बंगाल की भविष्यगामी दृष्टि और दो विपरीत राजनीतिक ध्रुवों के बीच एक निर्णायक संघर्ष था। जैसे ही मतदान की प्रक्रिया संपन्न हुई,चुनावी आमोद-प्रमोद में डूबे बंगाल की नजरें उन एग्जिट पोल्स पर आकर टिक गई हैं जो राज्य की अगली सरकार की धुंधली सी तस्वीर पेश कर रहे हैं। मतदाताओं ने इस बार जिस प्रकार अभूतपूर्व उत्साह के साथ मतदान केंद्रों पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, वह वाकई असाधारण है। नूतन बांगलार का स्वप्न और राष्ट्रीय आह्वान

भारतीय जनता पार्टी ने इस पूरे चुनाव को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के व्यक्तित्व और उनकी नेतृत्व क्षमता के इर्द-गिर्द केंद्रित रखा। भाजपा की रणनीति स्पष्ट थी कि पोरिबोर्तन (परिवर्तन) के संकल्प के साथ बंगाल को एक नई पहचान दिलाना। प्रधानमंत्री की सभाओं में उमड़ा जनसैलाब इस बात का प्रमाण था कि राज्य का एक वर्ग नूतन बांगलार (नए बंगाल) के विचार से प्रभावित है।

भाजपा का मुख्य विमर्श शासन की कार्यशैली में पारदर्शिता और प्रशासनिक सुधारों पर आधारित रहा। पार्टी ने केंद्रीय स्तर पर जारी नीतियों और बंगाल की क्षेत्रीय आवश्यकताओं के बीच एक सामंजस्य स्थापित करने का संकल्प लिया। प्रधानमंत्री के चेहरे पर लड़ा गया यह चुनाव इस बात का प्रतीक था कि भाजपा बंगाल को राष्ट्रीय विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए कितनी तत्पर है। उनके समर्थकों के लिए यह केवल चुनाव नहीं, बल्कि विकास की एक नई जागृति थी।

क्षेत्रीय अस्मिता और मां-माटी-मानुष की रक्षा

दूसरी तरफ, तृणमूल कांग्रेस का संपूर्ण चुनावी अभियान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के संघर्ष और उनके व्यक्तित्व के इर्द-गिर्द बुना गया। ममता बनर्जी ने इस चुनाव में एक ऐसी राजनेता की भूमिका निभाई जो अपनी मिट्टी और अपनी संस्कृति की रक्षा के लिए एकला चोलो की नीति पर अडिग खड़ी है। उनकी तरफ से प्रचारित हुआ कि ये चुनाव केवल सत्ता बचाने की चुनौती नहीं थी, बल्कि बंगाल की स्वायत्तता और बंगाली गौरव को अक्षुण्ण रखने की लड़ाई है।

तृणमूल कांग्रेस ने अपने प्रचार तंत्र को क्षेत्रीय संवेदनाओं और जन-सरोकारों से जोड़कर रखा। ममता बनर्जी ने अपने भाषणों में निरंतरता, संघर्ष और बंगाल के सामाजिक ताने-बाने को बनाए रखने की अपील प्रमुखता से की। उन्होंने राज्य के हर क्षेत्र के साथ अपना जो जुड़ाव बनाया है, उसी विश्वास की पूंजी के साथ वे इस चुनावी रण में उतरीं थी। उनके समर्थकों के लिए वे केवल एक मुख्यमंत्री नहीं, बल्कि बंगाल के हितों की सबसे प्रखर आवाज बनी रहीं।

ऐतिहासिक मतदान: एक विराट जन-भागीदारी

बंगाल ने एक बार फिर सिद्ध किया कि लोकतंत्र की जड़ यहाँ कितनी गहरी हैं। मतदान के प्रतिशत ने जिस प्रकार ऐतिहासिक आंकड़ों को छुआ, वह यह दर्शाता है कि राज्य का प्रत्येक वर्ग, चाहे वह प्रथम बार का युवा मतदाता हो या अनुभव की थाती समेटे वृद्ध, अपने मत की कीमत समझता है। यह %विराट% जन-भागीदारी किसी बड़ी राजनीतिक उलटफेर की आहट भी हो सकती है और वर्तमान व्यवस्था के प्रति गहन विश्वास की अभिव्यक्ति भी।

इतनी बड़ी संख्या में लोगों का बाहर निकलना यह संदेश देता है कि जनता अब केवल मूक दर्शक नहीं है। इस %जन-सृष्टि% ने चुनावी विश्लेषकों को भी अचंभित कर दिया है, क्योंकि बंगाल की राजनीति में %मौन मतदाता% का व्यवहार अक्सर अनुमानों को %धुलिसात% कर देता है।

एग्जिट पोल्स का %जटिल% गणित

विभिन्न न्यूज चैनलों और सर्वेक्षण एजेंसियों द्वारा जारी एग्जिट पोल्स ने राज्य के राजनीतिक समीकरण को और अधिक रोमांचक बना दिया है। आंकड़ों के अनुसार परिवर्तन की संभावना है और अधिकांश सर्वेक्षण भाजपा को स्पष्ट बात या बहुमत के अत्यंत निकट दिखा रहे हैं। सभी एग्जिट पोल के आंकड़ों के अनुसार भाजपा 95 से 208 के मध्य सीटें प्राप्त कर सकती है। यदि ये आंकड़ें सच साबित होते हैं तो यह निश्चित है कि प्रधानमंत्री मोदी की अपील ने बंगाल के हृदय स्थल में अपनी जगह बनाई है। वहीं, कुछ दूसरे विश्वसनीय सर्वेक्षणों का मानना है कि टीएमसी अपनी जड़ों को बचाए रखने में इस बार कठिन दौर से गुजर रही है और वह 85 से 189 सीटों के बीच रह सकती है। यदि इन सभी अनुमानों का औसत देखा जाए, तो मुकाबला 2026 के इस चुनाव को अत्यंत संघर्षपूर्ण बना रहा है। जनादेश का सम्मान और भविष्य की राह एग्जिट पोल्स के अनुमान चाहे जो भी हों, अंतिम परिणाम तो ईश्वर स्वरूप जनता के हाथ में ही है। बंगाल की जनता ने अपना निर्णय सुना दिया है, जो फिलहाल मशीनों में सुरक्षित है। जीत किसी भी पक्ष की हो, लेकिन इस चुनाव ने यह प्रमाणित कर दिया है कि बंगाल की राजनीति अब पूरी तरह से द्वि-ध्रुवीय हो चुकी है। यह चुनाव बंगाल के इतिहास में एक मील का पत्थर साबित होगा। जहाँ भाजपा एक नए युग की शुरुआत के प्रति आशान्वित है, वहीं तृणमूल कांग्रेस अपनी विरासत को विस्तार देने के लिए दृढ़ संकल्पित है। अब सभी की प्रतीक्षा की घड़ियां उस दिन समाप्त होंगी जब मतपेटियां खुलेंगी और बंगाल के भविष्य का नया सूरज उगेगा। यह तो तय है कि विजय लोकतंत्र की ही होगी, क्योंकि बंगाल के सजग मतदाताओं ने अपनी सक्रियता से यह सुनिश्चित किया है कि %सत्ता% का मार्ग केवल और केवल जनमत से होकर ही गुजरता है।

(विनायक फीचर्स)

हल्द्वानी में वरिष्ठ नागरिकों के लिए खेल व सम्मान समारोह शुरू

दो दिवसीय आयोजन में फुटबॉल, वॉलीबॉल व बैडमिंटन प्रतियोगिताएं आयोजित

हल्द्वानी। समाज कल्याण विभाग एवं वरिष्ठ नागरिक कल्याण परिषद उत्तराखंड के संयुक्त तत्वावधान में मिनी स्टेडियम हल्द्वानी में वरिष्ठ नागरिकों के लिए दो दिवसीय खेल एवं सम्मान समारोह का शुभारंभ बुधवार से हो गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन परिषद के अध्यक्ष रामचंद्र गौड़ ने किया। उन्होंने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य संवर्धन, सक्रिय जीवनशैली को प्रोत्साहन तथा आपसी समन्वय को बढ़ावा देना है।पहले दिन विभिन्न आयु वर्ग के वरिष्ठ नागरिकों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। प्रतियोगिताओं में फुटबॉल, वॉलीबॉल एवं बैडमिंटन शामिल रहे। फुटबॉल में हल्द्वानी टीम ने अल्मोड़ा को 9-0 से हराकर एकतरफा जीत दर्ज की। वहीं वॉलीबॉल में हल्द्वानी ने रामनगर को 2-1 से पराजित किया।बैडमिंटन प्रतियोगिता में 70 प्लस वर्ग में हरि मोहन आर्य विजेता रहे, जबकि महिला 60 वर्ष वर्ग में राजश्री तिवारी ने जीत हासिल की। पुरुष 60 वर्ष वर्ग का फाइनल मुकाबला अरविंद पांडे और नवीन चंद पाठक के बीच खेला जाना शेष है।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने वरिष्ठ नागरिकों के लिए संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए उनका लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने पर बल दिया। आयोजन का समापन आज सुशीला तिवारी राजकीय मेडिकल कॉलेज के प्रेक्षागृह में होगा, जहां मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी उत्कृष्ट कार्य करने वाले वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानित करेंगे। इस अवसर पर मंडी परिषद अध्यक्ष अनिल कुमार डब्बू, सांसद प्रतिनिधि शांति भट्ट, भुवन भास्कर पांडे, कर्नल वीएस रौतेला सहित समाज कल्याण विभाग के कई अधिकारी एवं विभिन्न जिलों से आए वरिष्ठ नागरिक उपस्थित रहे।

सरकार के वेतन बढ़ोतरी के निर्णय से श्रमिकों में खुशी की लहर

श्रमिक संगठनों ने सरकार के इस कदम को श्रमिक हित में ऐतिहासिक और सराहनीय कदम बताया

जिला संवाददाता पर्वत प्रेरणा

रूद्रपुर। उत्तराखण्ड सरकार द्वारा इंजीनियरिंग उद्योगों में नियोजित श्रमिकों के न्यूनतम वेतन में वृद्धि किए जाने का निर्णय लिया गया है, जो दिनांक 01 अप्रैल 2026 से प्रभावी होगा। श्रमिकों की लंबे समय से लंबित एवं अपेक्षित मांग को राज्य सरकार द्वारा तत्परता से संज्ञान में लेते हुए पूरा किया गया है। इस निर्णय से औद्योगिक जनपद उधम सिंह नगर के श्रमिकों में खुशी की लहर है।इस संबंध में जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया द्वारा अपने पत्र के माध्यम से भी शासन को श्रमिकों की समस्याओं एवं न्यूनतम वेतन वृद्धि की आवश्यकता से अवगत कराया गया था। जनपद उधम सिंह नगर औद्योगिक बहुल क्षेत्र होने के कारण यहां बड़ी संख्या में उद्योग संचालित हैं, जिनमें हजारों श्रमिक कार्यरत हैं। विगत कई दिनों से विभिन्न श्रमिक संगठनों द्वारा वेतन वृद्धि की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन एवं ज्ञापन प्रस्तुत किए जा रहे थे।

राज्य सरकार ने श्रमिक हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए इस विषय पर त्वरित निर्णय लिया और न्यूनतम वेतन में वृद्धि को स्वीकृति प्रदान की। इससे लाखों श्रमिकों एवं उनके परिवार की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी तथा उनके जीवन स्तर में भी सकारात्मक सुधार आएगा।श्रमिक संगठनों ने सरकार के इस निर्णय का स्वागत करते हुए इसे श्रमिक हित में ऐतिहासिक कदम बताया है। संगठनों का कहना है कि उत्तराखण्ड सरकार ने अत्यंत कम समय में श्रमिकों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए समाधान प्रस्तुत किया है, जो सराहनीय है। उन्होंने सरकार के इस संवेदनशील एवं सकारात्मक निर्णय के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सरकार का आभार व्यक्त किया है।श्रमिक प्रतिनिधियों ने कहा कि यह निर्णय न केवल श्रमिक वर्ग के हित में है, बल्कि औद्योगिक शांति एवं उत्पादन क्षमता को भी बढ़ावा देगा। सरकार द्वारा श्रमिक कल्याण के प्रति दिखाई गई प्रतिबद्धता भविष्य में भी इसी प्रकार बनी रहेगी, ऐसी अपेक्षा व्यक्त की गई है।

खानपुर में आयोजित अखण्ड नाम सकीर्तन मे शामिल हुऐ विधायक शिव

जिला संवाददाता पर्वत प्रेरणा

रुद्रपुर। खानपुर न. 1 क्षेत्र में आयोजित अखण्ड नाम सकीर्तन में शामिल हुऐ विधायक शिव अरोरा ने ईश्वर के चरणों मे नमन करते हुऐ समस्त क्षेत्रवासियों के सुख समृद्धि की कामना की। विधायक शिव अरोरा बोले खानपुर न. 1 मे आयोजित भव्य दिव्य अखण्ड नाम सकीर्तन मे शमिल होने का सौभाग्य मिला जहाँ आये हजारों श्रद्धांलुओं के बीच जाकर भंडारे की सेवा की आये भक्तो को प्रसाद वितरित किया। उन्होंने कहाँ अखण्ड नाम कीर्तन की बंगाली समाज मे बहुत मान्यता है,जहाँ भगवान राधा कृष्ण के संगीत रस में एक एक श्रद्धांलू डूबा नजर आता है, विधायक बोले अखण्ड नाम कीर्तन के श्रवण मात्र से शांति की अनुभूति होती है। विधायक शिव अरोरा बोले उनका प्रतिवर्ष खानपुर क्षेत्र में सकीर्तन मे आना होता है हर वर्ष लोगो के श्रद्धा का भाव ईश्वर के प्रति उनके समर्पण लगाव को दर्शाता है। इस दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष जगदीश विश्वास, ओबीसी मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष उपेंद्र चौधरी, कौशल विश्वास,मनमोहनवाधवा,गुरबाज दुमरा ,विशाल माझी,जयदेव मंडल,किशोर मनी, कालीचरण विश्वास, बाबूराम सरकार, सोमनाथ मनी, शंभू सरदार,मिहिर विश्वास,कार्तिक राय, प्रकाश हालदार, रतन राय,समीर सिकदर, देव मंडल आदि लोग मौजूद रहें।

एसएसबी के आईजी का सितारगंज दौरा- निर्माण कार्यों की समीक्षा, जवानों को दिए जरूरी निर्देश

पर्वत प्रेरणा संवाददाता

सितारगंज। 57वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल में तीन दिवसीय भ्रमण पर पहुंचे एसएसबी सीमांत मुख्यालय रानीखेत के महानिरीक्षक अमित कुमार का जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर के साथ स्वागत किया।दौरे के दौरान महानिरीक्षक ने उप महानिरीक्षक अनिल कुमार शर्मा एवं कमांडेंट गंगा सिंह उदावत के साथ एसएसबी परिसर में चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। इनमें प्रशासनिक भवन, अस्पताल, टाइप-चार व टाइप-पांच आवासीय भवन और एसटीपी परियोजना शामिल हैं। निरीक्षण के दौरान कार्यों की गुणवत्ता और प्रगति की जानकारी ली गई।कमांडेंट गंगा सिंह उदावत ने वाहिनी की गतिविधियों, सुरक्षा व्यवस्था और संचालन प्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी दी। सैनिक सम्मेलन में महानिरीक्षक ने जवानों को संबोधित करते हुए कर्तव्यनिष्ठा, सतर्कता और अनुशासन पर जोर दिया। उन्होंने साइबर अपराधों से बचाव, आधुनिक तकनीक के बेहतर उपयोग और भीषण गर्मी में स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की सलाह दी। दौरे के अंत में महानिरीक्षक ने जवानों के साथ भोजन किया और पोषणयुक्त आहार में मोटे अनाज को शामिल करने के महत्व पर बल दिया। इस दौरान द्वितीय कमान अधिकारी मनोज कुमार, उप कमांडेंट निहारिका प्रियदर्शिनी राय, और डॉ. सचिन सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

हर व्यक्ति तक पहुंचे सेवा के साथ जनसेवा जारी : मित्तल

रुद्रपुर में सेवा की मिसाल- भाजपा नेता एडवोकेट प्रमोद के नेतृत्व में गरीबों को मिल रहा सहारा

जिला संवाददाता पर्वत प्रेरणा

रुद्रपुर। भाजपा नेता प्रमोद मित्तल एडवोकेट के नेतृत्व में लंबे समय से क्षेत्र में जनसेवा के विविध कार्य निरंतर, संगठित एवं समर्पित भाव से संचालित किए जा रहे हैं। समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े जरूरतमंद व्यक्ति तक सहायता पहुँचाने के संकल्प के साथ यह सेवा अभियान निरंतर विस्तार प्राप्त कर रहा है और आमजन के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला रहा है।

यह पहल न केवल जरूरतमंदों के जीवन में राहत पहुंचा रही है, बल्कि समाज में सेवा, सहयोग और मानवता की भावना को भी सशक्त कर रही है।यह सेवा भावना देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के प्रेरणादायी मंत्र से प्रेरित है। साथ ही उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के कुशल एवं दूरदर्शी नेतृत्व में प्रदेश में सुशासन, पारदर्शिता एवं सर्वांगीण विकास का एक नया अध्याय लिखा जा रहा है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड में युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित किए जा रहे हैं, महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए योजनाएं लागू की जा रही हैं तथा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में भी निरंतर सुधार हो रहा है। धामी सरकार की कार्यशैली तेज, पारदर्शी और परिणामोन्मुखी है, जिसके कारण आमजन में सरकार के प्रति विश्वास लगातार मजबूत हुआ है।

अंत्योदय की भावना को केंद्र में रखते हुए प्रदेश के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने का कार्य निरंतर किया जा रहा है। इस अवसर पर प्रमोद मित्तल ने बताया कि उनके माता-पिता द्वारा शुगर एवं ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियों के उपचार हेतु आयुर्वेदिक दवाइयाँ स्वयं तैयार की जाती हैं, जिन्हें पिछले 15 वर्षों से निःशुल्क रूप से जरूरतमंद मरीजों को वितरित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन दवाइयों से अब तक अनेक मरीजों को लाभ प्राप्त हुआ है और समाज में इस सेवा कार्य के प्रति विश्वास निरंतर बढ़ता जा रहा है। यह पहल सेवा, संस्कार और समर्पण की जीवंत मिसाल है। आज के जनसेवा कार्यक्रम के दौरान टीम के सक्रिय सदस्य चौधरी सुधीर डागर एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती रीना डागर ने अपनी वैवाहिक वर्षगांठ भी सेवा कार्य में सहभागिता करते हुए मनाई।इस जनहितकारी अभियान में संस्कार भारती के संरक्षक कुशल अग्रवाल, उपाध्यक्ष रवि अग्रवाल, चौधरी सुधीर डागर, श्रीमती रीना डागर, अमित जैन, सुनील पचौरी, प्रमोद यादव, नितिन अग्रवाल, एडवोकेट दीपिका मित्तल, एडवोकेट मनीष मित्तल, एडवोकेट पूजा मित्तल आदि मौजूद थे।

स्कूल में छात्रा को बंदर ने काटा

लोहाघाट। क्षेत्र में बंदर व कुत्तों का आतंक दिनों दिन बढ़ता जा रहा है। बुधवार को आदर्श प्राथमिक विद्यालय लोहाघाट में पढ़ने जा रही छात्रा हिमांशी चंद को स्कूल कैंपस के भीतरी बंदर ने काट कर घायल कर दिया। नन्ही छात्रा के द्वारा बंदर के काटने की जानकारी शिक्षकों को भी नहीं दी। घर मे जब छात्रा की माता ने उसके शरीर पर लंबे-लंबे घाव देखे तो पूछने पर छात्रा ने बताया उसको स्कूल में बंदर ने काटा है। इसके बाद छात्रा की मां उसे उपचार के लिए लोहाघाट उप जिला चिकित्सालय लेकर गई। मामले में लोगों ने कहा क्षेत्र में दिनों दिन बंदर का आतंक बढ़ते जा रहा है उन्होंने वन विभाग से बंदरों के आतंक से निजात दिलाने की मांग की।

कोली झील के पास पलटा जल संस्थान का टैंकर टला बड़ा हादसा

लोहाघाट । देवीधुरा सड़क में कोली ढेक झील के गेट के पास जल संस्थान का टैंकर अनियंत्रित होकर ऊपर सड़क से नीचे सड़क में पलट गया। जानकारी के मुताबिक दुर्घटना में चालक मामूली रूप से चोटिल हुआ है। जल संस्थान के अभियंता के मुताबिक यह टैंकर पाटी में चल रही खेल प्रतियोगिता में पानी बांटने गया हुआ था। घटना कल शाम की बताई जा रही है। फिलहाल एक बड़ा हादसा टल गया। दुर्घटना में टैंकर को काफी नुकसान पहुंचा है।

विपक्ष ने महिला आरक्षण कुचला आधी आबादी से खुला विश्वासघात : भावना

चंपावत। संसद में महिला आरक्षण विधेयक गिरने को लेकर आवास सलाहकार परिषद की उपाध्यक्ष एवं दर्जा राज्यमंत्री भावना मेहरा ने विपक्ष पर तीखा और सीधा हमला बोला महिला सम्मेलन को संबोधित करने पहुंची मेहरा ने अपनी प्रेस वार्ता में कहा कि विपक्ष की नकारात्मक और स्वार्थपूर्ण राजनीति ने देश की करोड़ों महिलाओं के अधिकारों पर सीधा प्रहार किया है मेहरा ने दो टूक कहा कि जो दल वर्षों से महिला सशक्तिकरण के नाम पर राजनीति करते रहे वही निर्णायक घड़ी में अपने असली चेहरे के साथ सामने आ गए कांग्रेस व इंडी गठबंधन ने विधेयक का विरोध कर साबित कर दिया कि उन्हें महिलाओं के अधिकारों से नहीं सिर्फ सत्ता की राजनीति से मतलब है।

उन्होंने इसे आधी आबादी के सपनों की निर्मम हत्या करार देते हुए कहा कि विधेयक महिलाओं के सम्मान और अधिकारों की लड़ाई थी जिसे विपक्ष ने जानबूझकर कुचलने का काम किया है भारतीय जनता पार्टी की प्रतिबद्धता दोहराते हुए मेहरा ने कहा कि भाजपा हमेशा महिलाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए समर्पित रही है लेकिन विपक्ष की संकीर्ण और परिवारवादी सोच इस रास्ते में सबसे बड़ी बाधा बन गई है उन्होंने विपक्ष पर

हमला जारी रखते हुए कहा विपक्ष नहीं चाहता कि सामान्य परिवारों की बेटियां और महिलाएं आगे बढ़ें क्योंकि इससे उनकी वंशवादी राजनीति की जड़ें हिलती हैं कड़े तेवर दिखाते हुए मेहरा ने चेतावनी दी कि देश की आधी आबादी अब सब समझ चुकी है और समय आने पर इसका जवाब जरूर देगी।

इससे पूर्व चम्पावत पहुंचने पर जिलाध्यक्ष गोविंद सामंत व कार्यकर्ताओं ने पुष्पगुच्छ, शॉल और स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका जोरदार स्वागत किया कार्यक्रम में मेहरा ने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा महिलाओं के हित में किए जा रहे कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य सरकार जमीनी स्तर पर महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए लगातार ठोस कदम उठा रही है कहा कि महिला आरक्षण विधेयक को लेकर बने हालात पर सरकार द्वारा विशेष सत्र बुलाकर निंदा प्रस्ताव लाने के निर्णय का समर्थन करते हुए विपक्ष के रुख को महिलाओं के खिलाफ साजिश बताया। इस दौरान दर्जाधारी हेमा जोशी, मुकेश महाराना, श्याम नारायण पांडेय, नगरपालिका अध्यक्ष प्रेमा पांडेय, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष दीपा जोशी ,सुनीता मुरारी, जिला महामंत्री पूरन मेहरा ,निर्मला पांडेय, सरोज चंद्र, पूर्व ब्लॉक प्रमुख रेखा बोरा ,लता वर्मा ,सुनीता जुकरिया ,गीता देवी, कुसुम जोशी ,रेखा भट्ट ,उर्वशी मेहता ,अनीता यादव ,रुचि धस्माना ,मणि प्रभा ,किरन पंगरियाआदि मौजूद रहे।

फायर वाचरों की वन प्रहरी व वन श्रमिक के रूप में रखने की मांग

लोहाघाट। जंगल की आग बुझाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले फायर वाचरों ने उन्हें वन प्रहरी व बन श्रमिक के रूप में रखने की मांग की है। फायरवाचरों के द्वारा अपनी मांगों को लेकर जिलाधिकारी व प्रभागीय बन अधिकारी को पत्र भेजा है। फायर वाचरों ने बताया हम लोग पिछले 10 वर्षों से फायर वाचर के रूप में वनों को आग से बचाने व पर्यावरण संरक्षण में अपनी अहम भूमिका निभाते आ रहे हैं और हमें वर्ष में मात्र पांच महीनों के लिए ही रखा जाता है।कहा हम लोग अपने क्षेत्र के वनों के बारे में भली-भांति परिचित है और यहां की भौगोलिक परिस्थितियों से पूरी तरह परिचित हैं। उन्होंने मांग करते हुए कहा जो फायर वाचर कई वर्षों से कार्य कर रहे हैं उन्हें हमेशा के लिए बन श्रमिक या बन प्रहरी के रूप में रखा जाए ताकि वह वर्ष भर वनों की देखभाल करने व पर्यावरण संरक्षण में अपना अहम योगदान दे सके। फायर वाचारों ने कहा उन्हें फायर सीजन में जंगल की आग पर काबू पाने के लिए वन विभाग के द्वारा रखा जाता है। उन्होंने जिलाधिकारी व डीएफओ चंपावत से उनकी मांगों को पूरा करने की मांग की है। मांग करने में मोहन चंद्र पांडे, देव सिंह सामंत ,चंद्र सिंह कुंवर, रेवाधर भट्ट, लोक सिंह सामंत, नवीन सिंह सामंत,राम सिंह ,गोपाल राम , चाद सिंह आदि फायर वाचर शामिल रहे।

रीता गहतोड़ी के प्रयासों से मूक बधिर महिला सुरक्षित पहुंची परिजनों के पास

लोहाघाट । प्रमुख समाजसेवी व तीलू रौतेली पुरस्कार विजेता रीता गहतोड़ी के प्रयासों से भटक रही एक मूक बधिर महिला को प्रशासन ने सुरक्षित उनके परिजनों को सोपा गया है। रीता गहतोड़ी को पंचेश्वर टैक्सी स्टैंड में अंधेरे में एक महिला भटकते हुए मिली। जब महिला से जानकारी लेनी चाही तो महिला मूक बधिर निकली जिस कारण परेशानी बढ़ गई। रीता गहतोड़ी के द्वारा एसडीएम लोहाघाट को मामले की जानकारी दी गई। मामले का तत्काल संज्ञान लेते हुए एसडीएम लोहाघाट नीतू डांगर ने तत्काल राजस्व उप निरीक्षक ऋषभ कुमार को मौके पर भेजा गया। तभी वहां से गुजर रही है एक महिला के द्वारा उस महिला की पहचान की गई और उनके घर का पता बताया गया। महिला का पता लगाने में चालक भुवन ओली ने सराहनीय भूमिका निभाई। प्रशासन की टीम के द्वारा महिला के परिजनों से संपर्क साधा गया। इसके बाद महिला को सुरक्षित लोहाघाट में रहने वाले उनके भतीजे के सुपुर्द किया गया। इस नेक कार्य में पीआरडी वीरू मेहता के द्वारा भी भरपूर सहयोग किया गया। मामले में रीता गहतोड़ी के द्वारा मानवता का परिचय दिया गया तथा अंत तक वह महिला के साथ रही। परिजनों के द्वारा प्रशासन ,रीता गहतोड़ी व अन्य सहयोगियों को धन्यवाद दिया गया। जानकारी के मुताबिक महिला चंपावत से चोमेल क्षेत्र में एक शादी में शामिल होने आई थी जो भटक गई।

पार्किंग व्यवस्था शुरू करने, जाम से राहत की उठाई मांग

अल्मोड़ा। नगर की यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने और जाम की समस्या से राहत दिलाने की मांग को लेकर भाजपा के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य राजीव गुरुरानी ने जिला विकास अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में नगर निगम और प्राधिकरण द्वारा निर्मित दोपहिया वाहन पार्किंग स्थलों को शीघ्र शुरू करने की आवश्यकता जताई गई। राजीव गुरुरानी ने कहा कि नगर में लगातार बढ़ रहे दोपहिया वाहनों के कारण आए दिन जाम की स्थिति बन रही है, जिससे व्यापारियों, स्थानीय नागरिकों और पैदल चलने वालों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि भैरव मंदिर के पास केएमओयू स्टेशन और जीआईसी स्कूल के समीप पार्किंग स्थल कई माह पहले बनकर तैयार हो चुके हैं, लेकिन अब तक उनका संचालन शुरू नहीं हो पाया है। ज्ञापन में संबंधित पार्किंग स्थलों को तत्काल खोलने और उनका संचालन शुरू करने की मांग की गई है। साथ ही आमजन की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पार्किंग शुल्क न्यूनतम रखने का सुझाव दिया गया है। इसमें 10 रुपये प्रति घंटा और 30 रुपये प्रतिदिन शुल्क निर्धारित करने का प्रस्ताव रखा गया है, ताकि लोग आसानी से पार्किंग का उपयोग कर सकें और अव्यवस्थित पार्किंग की समस्या कम हो सके। राजीव गुरुरानी ने प्रशासन से जनहित में शीघ्र निर्णय लेते हुए पार्किंग व्यवस्था लागू करने और नगरवासियों को जाम की समस्या से राहत दिलाने की मांग की है।

चमदेवल में हेलीपड निर्माण व अन्य विकास कार्यों की स्वीकृति के लिए डीएम को दिया गया धन्यवाद

लोहाघाट। डीएम चंपावत मनीष कुमार के प्रयासों से लोहाघाट ब्लाक के सीमांत चमदेवल में हेलीपड निर्माण व अन्य विकास कार्यों की स्वीकृति मिलने पर क्षेत्र के ग्रामीणों ने डीएम चंपावत मनीष कुमार को धन्यवाद दिया। आज बुधवार को ग्राम प्रधान नीतू धोनी की अध्यक्षता व आनंद धोनी के संचालन में आयोजित बैठक में ग्रामीणों के द्वारा डीएम चंपावत को उनकी मांगों का संज्ञान लेने व क्षेत्र में विकास कार्यों की स्वीकृति के लिए धन्यवाद दिया गया। ग्राम प्रधान नीतू धोनी ने बताया पूर्व में उनके द्वारा जिलाधिकारी को ज्ञापन दिया गया था। जिस पर जिलाधिकारी के द्वारा चमदेवल मे हेलीपेड निर्माण, चौपता मे बृहद सुरक्षा दीवार, बसकुनी मे सोलर लाइट, कन्या इंटर कालेज मे अतिरिक्त कक्ष, सांस्कृतिक मंच व रास्तों की स्वीकृति प्रदान की है। ग्राम प्रधान नीतू धोनी व सामाजिक कार्यकर्ता आनंद सिंह धोनी ने कहा क्षेत्र की समस्याओं के समाधान व विकास कार्यों के लिए वह पूरे गुमदेश क्षेत्र की जनता की ओर से जिलाधिकारी चंपावत मनीष कुमार को धन्यवाद देते है। और आशा करते हैं भविष्य में भी जिलाधिकारी गुमदेश क्षेत्र को विकास कार्यों की सौगात देते रहेंगे।कहा जल्द ही मेला स्थल का भी सौंदर्य करण होने जा रहा है। समस्त ग्रामीणों ने जिलाधिकारी की कार्य प्रणाली की सराहना की। धन्यवाद बैठक में भुवन सिंह धोनी,निर्मला धोनी ,कलावती धोनी ,कृष्ण सिंह ,गोपाल राम ,शंकर कलोनी ,राम सिंह धोनी ,कल्याण सिंह, नारायण पुजारी ,पुष्पा देवी ,कमल किशोर ,भगवान राम ,मुकेश कलोनी,केसर सिंह सहित कई लोग मौजूद रहे।

नगर पालिका में क्यूआर कोड के माध्यम से शिकायत होंगी दर्ज पालिका की नई पहल

लोहाघाट। नगर पालिका परिषद लोहाघाट द्वारा नगरवासियों की सुविधा और पारदर्शिता को बढ़ाने के उद्देश्य से एक आधुनिक क्यूआर कोड आधारित शिकायत पंजीकरण प्रणाली शुरु कर दी गई है। इस पूरी प्रणाली से नगर की स्वच्छता एवं

डिजिटल सेवा सुधार में सक्रिय सुधार आएगा।यह सुविधा प्रशासनिक दक्षता को बढ़ाने एवं समस्याओं का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने और नागरिकों को सेवाओं से सीधे जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण कदम है। नगर पालिका अध्यक्ष गोविंद वर्मा की अध्यक्षता में आज आयोजित समीक्षा बैठक में क्यूआर सिस्टम को औपचारिक रूप से त्वरित प्रभाव से लागू कर दिया गया है। अब सभी नागरिक नगर पालिका से संबंधित किसी भी प्रकार की शिकायत को अपने मोबाइल से क्यूआर कोड स्कैन करके सीधे दर्ज कर सकेंगे। शिकायत दर्ज होते ही वह स्वतः नगर पालिका तक पहुंच जाएगी तथा समाधान की पूरी प्रक्रिया होने के पश्चात शिकायतकर्ता को कॉल या एस०एम०एस० के माध्यम से सूचित कर दिया जाएगा।नगर पालिका अध्यक्ष गोविंद वर्मा , अधिशासी अधिकारी सौरभ नेगी तथा समस्त सभासदों द्वारा सभी नागरिकों से अपील की है कि वे नई प्रणाली का अधिक से अधिक उपयोग करें और लोहाघाट को स्वच्छ, व्यवस्थित तथा तकनीकी रूप से सक्षम नगर बनाने में योगदान दें।

फर्जी राशन कार्डों पर सख्ती सत्यापन अभियान शुरू अपात्र लाभार्थी करें स्वेच्छा से सरेंडर

चंपावत। जिलाधिकारी चंपावत मनीष कुमार के निर्देश में जनपद में राशन कार्डों के सत्यापन का विशेष अभियान पुनः प्रारंभ किया गया है। इस अभियान का उद्देश्य जनपद में बढ़ते फर्जी राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड तथा गैस कनेक्शन से संबंधित अनियमितताओं पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना है।जनपद चम्पावत में जनपदीय स्तर पर स्क्वॉड गठित कर राशन कार्डों एवं यूनिटों के सत्यापन का विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। गठित टीमें क्षेत्रवार सत्यापन कर पात्र एवं अपात्र लाभार्थियों की पहचान सुनिश्चित करेंगी।जिला पूर्ति अधिकारी प्रियंका भट्ट ने जनपद के समस्त राशन कार्ड धारकों से अपील की है कि वे सत्यापन कार्य में पूर्ण सहयोग प्रदान करें। उन्होंने कहा कि ऐसे लाभार्थी जिनकी वर्तमान आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हो चुकी है, वे स्वेच्छा से राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (अन्त्योदय/प्राथमिक परिवार) एवं राज्य खाद्य योजना के अंतर्गत प्राप्त राशन कार्ड को संबंधित पूर्ति निरीक्षक कार्यालय, विकासखंड कार्यालय अथवा जिला पूर्ति कार्यालय में जमा कर दें।उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि सत्यापन के दौरान कोई अपात्र व्यक्ति योजना का लाभ लेते हुए पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध नियमानुसार विभागीय कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। इसके अतिरिक्त सभी राशन कार्ड धारकों से यह भी अनुरोध किया गया है कि वे अपने राशन कार्ड में दर्ज सभी यूनिटों/सदस्यों की ई-केवाईसी अपने निकटतम उचित दर विक्रेता की दुकान पर जाकर अनिवार्य रूप से पूर्ण करा लें, जिससे भविष्य में किसी प्रकार की असुविधा न हो।

महिला ने लगाए नाप भूमि के आगे फड़ लगाकर रास्ता रोकने के आरोप। प्रशासन ने की जांच

लोहाघाट। निवासी निर्मला कनौजिया के द्वारा लोहाघाट स्टेशन बाजार में राष्ट्रीय राजमार्ग से लगी उनकी भूमि पर कुछ लोगों के द्वारा जबरन फड़ लगाकर उनकी भूमि का रास्ता बंद करने की शिकायत जिला अधिकारी चंपावत मनीष कुमार से की गई थी। महिला की शिकायत पर जिलाधिकारी ने एसडीएम लोहाघाट को मामले की जांच के आदेश दिए गए थे। जिलाधिकारी के निर्देश पर बुधवार को प्रशासन की टीम ने मौके पर जांच कर दोनों पक्षों से अपने कागजात प्रस्तुत करने को कहा। तहसीलदार मोहिउद्दीन ने बताया लोहाघाट निवासी निर्मला कनौजिया के द्वारा जिलाधिकारी को शिकायती पत्र दिया गया था जिसमें बताया गया कुछ लोगों के द्वारा उनकी पैतृक नाप भूमि पर जबरन अपने कच्चे फड़ लगाकर उनकी पैतृक भूमि का रास्ता रोक दिया गया है। जबकि इस भूमि से पूर्व में हाईकोर्ट के निर्देश पर इन फड़ों को हटाया गया था। लेकिन उसके बावजूद फिर वहां पर जबरन फड़ लगा दिए गए है जिससे उनका रास्ता अवरुद्ध हो गया है। तहसीलदार ने बताया दोनों पक्षों को 2 दिन के भीतर कागजात प्रस्तुत करने को कहा गया है इसके बाद जांच रिपोर्ट जिलाधिकारी को प्रस्तुत की जाएगी।

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय ने रचा कीर्तिमान 20 दिन में 100 प्रतिशत परीक्षा परिणाम

पर्वत प्रेरणा संवाददाता

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक क्षेत्र में नया इतिहास रचते हुए दिसंबर-2025 सत्र की परीक्षाओं के परिणाम मात्र 20 दिनों में शत-प्रतिशत घोषित कर दिए हैं। यह जानकारी आज यहां आयोजित प्रेस वार्ता में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी ने दी।

उन्होंने बताया कि 11 अप्रैल 2026 को परीक्षाएं समाप्त होने के बाद 30 अप्रैल तक सभी 323 परीक्षाफल जारी कर दिए गए। विश्वविद्यालय के इतिहास में यह पहली बार है जब इतनी कम अवधि में संपूर्ण परीक्षा परिणाम घोषित किए गए हैं। कुलपति के अनुसार, इस उपलब्धि के लिए वरिष्ठ शिक्षकों की विशेष टीम गठित की गई थी, जिसमें 289 आंतरिक एवं बाह्य परीक्षकों ने लगातार कार्य करते हुए मूल्यांकन प्रक्रिया को समयबद्ध ढंग से पूरा किया। उन्होंने कहा कि पारदर्शी और डिजिटल प्रणाली, बेहतर समन्वय तथा सतत निगरानी के कारण यह संभव हो सका। उन्होंने बताया कि इस त्वरित परिणाम से हजारों शिक्षार्थियों को प्रवेश, रोजगार एवं अन्य शैक्षणिक प्रक्रियाओं में समय पर लाभ मिलेगा। प्रेस वार्ता में कुलपति ने आदर्श अध्ययन केंद्र हल्द्वानी-16000 में आयोजित 'दीक्षारंभ' कार्यक्रमों की सफलता की जानकारी भी दी। 17 अप्रैल को आयोजित कार्यक्रम में 175 तथा 26 अप्रैल को 120 शिक्षार्थियों ने भाग लिया। इन कार्यक्रमों के माध्यम से नवप्रवेशित विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली, परीक्षा प्रणाली और शैक्षणिक गतिविधियों से अवगत कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा शनिवार और रविवार को विशेष परामर्श सत्र भी संचालित किए जा रहे हैं, जिनमें अब तक 1100 से अधिक छात्र लाभान्वित हो चुके हैं। साथ ही दूरस्थ क्षेत्रों के छात्रों के लिए नि:शुल्क पुस्तक वितरण कार्यक्रम भी जारी है।

शैक्षणिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए विश्वविद्यालय में 15 अस्थायी शिक्षकों की नियुक्ति की गई है, जबकि 09 प्रोफेसर, 02 एसोसिएट प्रोफेसर और 12 असिस्टेंट प्रोफेसर के पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय को शिक्षार्थियों और अभिभावकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है तथा भविष्य में भी गुणवत्तापूर्ण और नवाचारपूर्ण कार्यक्रम जारी रहेंगे। इस अवसर पर प्रो. राकेश चन्द्र रयाल मीडिया प्रभारी आदि मौजूद रहे।

विश्व बौद्धिक संपदा दिवस पर कार्यशाला, कृषि नवाचारों के संरक्षण पर जोर

अल्मोड़ा। विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में विश्व बौद्धिक संपदा दिवस के अवसर पर बुधवार को एक विशेष कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें कृषि शोधों के संरक्षण और बौद्धिक संपदा अधिकारों के प्रति जागरूकता पर बल दिया गया।

कार्यक्रम संस्थान के निदेशक डॉ. लक्ष्मी कांत की अध्यक्षता में हाइब्रिड माध्यम से संपन्न हुआ। कार्यक्रम में आईटीएमयू के अध्यक्ष डॉ. एन.के. हेडाऊ ने बौद्धिक संपदा की वैश्विक महत्ता और संस्थान की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता डॉ. एस.के. वर्मा ने कृषि में बौद्धिक संपदा विषय पर व्याख्यान देते हुए 'पौधा किस्म संरक्षण एवं कृषक अधिकार' नियमों की जानकारी दी और संबंधित कानूनी प्रावधानों को विस्तार से समझाया। संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. आर.के. खुल्बे ने भौगोलिक उपदर्शन के महत्व पर चर्चा करते हुए स्थानीय उत्पादों की ब्रांडिंग और संरक्षण की आवश्यकता बताई। वहीं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुराधा भारतीय ने कृषक किस्म के पंजीकरण की प्रक्रिया को सरल तरीके से प्रस्तुत किया। डॉ. लक्ष्मी कांत ने कहा कि वर्तमान समय में कृषि अनुसंधान को बौद्धिक संपदा अधिकारों के माध्यम से सुरक्षित करना आवश्यक है। उन्होंने वैज्ञानिकों से नवाचारों के साथ उनके विधिक संरक्षण पर भी ध्यान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम में संस्थान और हवालबाग प्रक्षेत्र के 38 वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं के साथ कृषि विज्ञान केंद्र उत्तरकाशी के 6 और बागेश्वर के 8 प्रतिभागियों ने ऑनलाइन और ऑफलाइन माध्यम से भागीदारी की। परिचर्चा सत्र में प्रतिभागियों ने बौद्धिक संपदा से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. के.के. मिश्रा ने किया, जबकि अंत में डॉ. गौरव वर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

वरिष्ठ नागरिकों की फुटबॉल टीम हल्द्वानी के लिए रवाना

अल्मोड़ा। समाज कल्याण विभाग उत्तराखंड और उत्तराखंड वरिष्ठ नागरिक कल्याण परिषद के संयुक्त तत्वावधान में हल्द्वानी में आयोजित वरिष्ठ नागरिक खेल एवं सम्मान कार्यक्रम में प्रतिभाग के लिए अल्मोड़ा की फुटबॉल टीम को बुधवार को रवाना किया गया। रघुनाथ सिटी मॉल से जिलाधिकारी अंशुल सिंह और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चन्द्रशेखर घोड़के ने टीम को हरी झंडी दिखाकर प्रतियोगिता के लिए विदा किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों में खेल भावना को बढ़ावा देना और उनके योगदान का सम्मान करना है। टीम में जंग बहादुर थापा, मनोज सनवाल, आशीष वर्मा, अनुप साह, डॉ. जे.सी. दुर्गापाल, नरेन्द्र सिंह, राजेन्द्र प्रसाद गुरूरानी, कमालउद्दीन, करन सिंह मर्तोलिया, हीरा सिंह रावत और नरेन्द्र सिंह बिष्ट सहित अन्य खिलाड़ी शामिल हैं। इस अवसर पर जिला समाज कल्याण अधिकारी शैलेन्द्र पाण्डे, टीम कोच हरीश कनवाल और विभागीय कर्मचारी भी मौजूद रहे।

महिला आरक्षण पर सरकार को घेरा, विशेष सत्र को बताया निरर्थक

अल्मोड़ा। कांग्रेस जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह भोज ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि विशेष सत्र बुलाकर जनता के धन का दुरुपयोग किया गया। प्रेस को जारी बयान में उन्होंने कहा कि सरकार को महिला आरक्षण कानून 2023 की भावना के अनुरूप उत्तराखंड विधानसभा चुनाव 2027 और लोकसभा चुनाव 2029 में 33 प्रतिशत सीटों पर महिलाओं को आरक्षण देने का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजना चाहिए था। भोज ने कहा कि यदि इसके लिए संविधान संशोधन की आवश्यकता होती, तो केंद्र सरकार को शीघ्र विधेयक लाने का प्रस्ताव भी राज्य विधानसभा से पारित कराया जाना चाहिए था। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस द्वारा विधानसभा में महिला आरक्षण लागू करने का संकल्प प्रस्तुत किया गया, लेकिन उसे स्वीकार नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि भाजपा और उसकी सरकारें महिलाओं को आरक्षण देने के प्रति गंभीर नहीं हैं और विधायी प्रक्रिया में उलझाकर इसे टालने का प्रयास किया जा रहा है।

उनका कहना था कि महिला आरक्षण विधेयक सितंबर 2023 में पारित होने के बावजूद इसकी अधिसूचना अप्रैल 2026 में जारी की गई, जिससे सरकार की मंशा पर सवाल उठते हैं। कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत विधेयकों के जरिए लोकसभा और विधानसभा सीटों में वृद्धि तथा परिसीमन की प्रक्रिया से उत्तराखंड की हिस्सेदारी प्रभावित हो सकती है। उन्होंने कहा कि इससे पर्वतीय क्षेत्रों की सीटों में कमी आने की आशंका है, जिस पर सरकार ने कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया। भोज ने राज्य में महिला सुरक्षा के मुद्दे को भी प्रमुखता से उठाते हुए कहा कि महिलाओं को केवल आरक्षण ही नहीं, बल्कि सुरक्षा भी चाहिए। उन्होंने विभिन्न घटनाओं का उल्लेख करते हुए सरकार पर आरोप लगाया कि अपराधों पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हो रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि आगामी चुनावों में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण लागू नहीं किया गया तो कांग्रेस सड़कों पर उतरकर आंदोलन करेगी।

दिनदहाड़े बैंक के बाहर से बाइक चोरी, कानून व्यवस्था पर उठे उठने

लालकुआं। शहर में कानून व्यवस्था को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। ताजा मामला पंजाब नेशनल बैंक की लालकुआं शाखा के बाहर दिनदहाड़े बाइक चोरी का है, जिसने पुलिस गश्त और सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अंबेडकर नगर वार्ड नंबर-01 निवासी मौसीन खान की मोटरसाइकिल (संख्या यूके04[illegible]526) 29 अप्रैल 2026 को दोपहर करीब 12.40 बजे बैंक के बाहर खड़ी थी। मौसीन किसी कार्य से बैंक के अंदर गए थे, लेकिन जब वह वापस लौटे तो उन्होंने देखा कि एक अज्ञात युवक उनकी बाइक लेकर मौके से फरार हो रहा है।

पीड़ित ने तुरंत हिम्मत दिखाते हुए आरोपी का पीछा किया, लेकिन तेज रफ्तार के चलते चोर भागने में सफल रहा। घटना दिन के समय, वह भी बैंक जैसे व्यस्त इलाके में होने से स्थानीय लोगों में दहशत और नाराजगी दोनों देखी जा रही है। मौसीन खान ने कोतवाली लालकुआं में तहरीर देकर बाइक चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई है और जल्द से जल्द कार्रवाई की मांग की है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि क्षेत्र में पहले भी बाइक चोरी की घटनाएं सामने आ चुकी हैं, लेकिन पुलिस की ओर से ठोस कार्रवाई नहीं होने के कारण अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। लोगों ने बाजार और बैंक क्षेत्रों में नियमित पुलिस गश्त बढ़ाने, सीसीटीवी निगरानी मजबूत करने और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने की मांग की है। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि पुलिस इस मामले में कितनी तत्परता से कार्रवाई करती है और शहर में बढ़ती चोरी की घटनाओं पर लगाम लगाने में कितनी सफल होती है।

गढ़वाल दौरे पर आएंगी कांग्रेस प्रभारी कुमारी सैलजा, रणनीति पर होगा मंथन

देहरादून। कुमारी सैलजा छह मई से गढ़वाल मंडल के पांच दिवसीय दौरे पर रहेंगी। इस दौरान वह विभिन्न जिलों में पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों के साथ बैठक कर संगठन की मजबूती और आगामी रणनीति पर चर्चा करेंगी।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश प्रभारी छह मई को ऋषिकेश पहुंचेंगी, जहां पार्टी नेताओं के साथ प्रारंभिक बैठक होगी। सात मई को श्रीनगर में पौड़ी जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक आयोजित की जाएगी। आठ मई को वह केदारनाथ मंदिर में दर्शन के बाद अगस्त्यमुनि में रुद्रप्रयाग जिला कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करेंगी नौ मई को गोपेश्वर के बिरही क्षेत्र में चमोली जिला कांग्रेस कमेटी के साथ बैठक प्रस्तावित है। इसके बाद वह बदरीनाथ धाम के लिए रवाना होंगी। दस मई को बदरीनाथ में पूजा-अर्चना के पश्चात वह श्रीनगर लौटेंगी। दौरे के अंतिम दिन 11 मई को चंबा में टिहरी जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक आयोजित होगी, जिसके बाद कुमारी सैलजा नई दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगी। प्रदेश नेतृत्व के अनुसार, इस दौरे का उद्देश्य संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना, कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद स्थापित करना और आगामी चुनावों के लिए रणनीति तय करना है।

ई-मोबाइल वैन के जरिए गांव-गांव पहुंच रही कानूनी जागरूकता

अल्मोड़ा। जनपद में नए आपराधिक कानूनों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए पुलिस द्वारा ई-मोबाइल वैन के माध्यम से अभियान चलाया जा रहा है। इस पहल के तहत दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों और विद्यालयों में पहुंचकर नागरिकों और विद्यार्थियों को कानूनों की जानकारी दी जा रही है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर घोड़के के निर्देशन में चल रहे इस अभियान में अप्रैल माह के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसी क्रम में इस सप्ताह कोतवाली चौखुटिया क्षेत्र के मासी, खीड़ा और थाना भतरौजखान क्षेत्र के गांवों व विद्यालयों में चौपाल लगाकर लोगों से सीधा संवाद किया गया। पुलिस टीम ने भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 के प्रमुख प्रावधानों की जानकारी दी। साथ ही लोगों की शंकाओं का मौके पर ही समाधान किया गया। पुलिस ने बताया कि इन नए कानूनों से न्याय प्रणाली अधिक पारदर्शी और त्वरित बनेगी, जिससे आमजन को बेहतर सुरक्षा और शीघ्र न्याय मिल सकेगा। अभियान के दौरान साइबर अपराधों से बचाव, नशा मुक्ति और कानूनों के पालन के प्रति भी जागरूक किया गया। लोगों को साइबर सुरक्षा और नशा मुक्ति से जुड़े पंपलेट वितरित कर आवश्यक जानकारी दी गई। ई-मोबाइल वैन टीम में अपर उपनिरीक्षक पुष्कर सिंह खाती, कांस्टेबल वीरेंद्र सिंह रिंगवाल, कांस्टेबल सुमित कुमार और चालक कांस्टेबल अजय जोशी शामिल रहे।

ओवरलोडिंग और नशे में वाहन चलाने पर टैक्सी चालक गिरफ्तार, वाहन सीज

अल्मोड़ा। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ पुलिस ने सख्त रुख अपनाते हुए सोमेश्वर क्षेत्र में कार्रवाई की। मंगलवार को चेकिंग अभियान के दौरान एक टैक्सी चालक को ओवरलोडिंग और नशे की हालत में वाहन चलाते हुए पकड़ा गया, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर वाहन सीज कर दिया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर घोड़के के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक हरबंस सिंह के मार्गदर्शन और सीओ अल्मोड़ा/यातायात बलवंत सिंह के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली सोमेश्वर मदन मोहन जोशी टीम के साथ क्षेत्र में सघन चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान टैक्सी चालक नीरज सिंह निवासी सोमेश्वर को निर्धारित क्षमता से अधिक सवारी बैठाकर, छत पर भी यात्रियों को ले जाते हुए और नशे की हालत में वाहन चलाते हुए पाया गया। पुलिस ने यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले चालक के खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्रवाई की और वाहन को सीज कर दिया। पुलिस ने साफ किया है कि इस तरह की कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी, ताकि सड़क सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।